दैनिक राष्ट्रप्रथम समाचार पत्र में समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें

E-MAIL.ID: rashtraprathamnews@gmail.com
WWW. RPRATHAM.COM

राष्ट्र प्रथम सदैव प्रथम

दैनिक
राष्ट्र प्रथम

RNI.NO-DELHIN/2014/67838

नई दिल्ली, बुधवार 02 सितम्बर 2026 वर्ष-12 अंक:155 मूल्य - 01/- पेज - 08

नई दिल्ली से प्रकाशित व दिल्ली, एनसीआर, यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखण्ड, महाराष्ट्र, गुजरात में प्रसारित

संक्षिप्त समाचार

सोनिया गांधी की बुक 'बिलॉन्गिंग' पर पेंगुइन का यू-टर्न

- बताई पूरी बात,10 नवंबर को दुनिया भर में रिलीज होनी है किताब

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोनिया गांधी की लॉन्ग अवेटिड किताब 'बिलॉन्गिंग अ जर्नी ऑफ लव' भारत में छपने से पहले ही विवादों में आ गई है। पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने अब साफ किया है कि किताब के प्रकाशन से पीछे हटने के पीछे किसी तरह का बाहरी या सरकारी दबाव नहीं था। प्रकाशक के मुताबिक, लेखक की टीम और प्रकाशक के बीच एक खास मुद्दे पर सहमति नहीं बन सकी थी। यह किताब सोनिया गांधी के इटली में बचपन से लेकर राजीव गांधी से उनके रिश्ते, नेहरू-गांधी परिवार में उनके आने, परिवार में हुए बड़े व्यक्तिगत दुखों और भारत के साथ उनके रिश्ते की कहानी बताती है।

थलपति विजय ने खुद खोले मेट्टूर बांध के द्वार

- 45 दिनों में कावेरी नदी का पानी 12 जिलों के किसानों तक पहुंचेगा

सलेम (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने मंगलवार को कावेरी डेल्टा के जिलों में सिंचाई के लिए मेट्टूर स्थित स्टेनली जलाशय के जल निकासी द्वार खोले और पानी छोड़ा। विजय

ने अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों की मौजूदगी में एक बटन दबाकर जलाशय के द्वार खोले। इसके बाद उन्होंने तेज बहाव के साथ निकल रहे पानी पर फूल बरसाकर कावेरी नदी का पानी छोड़े जाने की शुरुआत की।

ममता की भतीजी का शव मिला, सुसाइड की आशंका

- शिक्षक भर्ती घोटाले में चली गई थी नौकरी,3 सालों से डिप्रेशन में थीं

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भतीजी ब्रिष्टि मुखर्जी ने मंगलवार को बीरभूम के कुसुम्बा गांव में सुसाइड कर लिया। ब्रिष्टि, ममता के चचेरे भाई और तृणमूल नेता निहार मुखर्जी की बेटी थीं। शुरुआती तौर पर माना जा रहा है कि ब्रिष्टि ने सुसाइड किया है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट ने 22 अप्रैल, 2024 को अवैध रूप से प्राप्त सभी 25,753 नौकरियां रद्द कर दी थीं।

'सुप्रीम' आदेश, सीजेपी प्रदर्शन की सभी एफआईआर रद्द

- कॉकरोच जनता पार्टी ने 5 सितंबर का प्रोटेस्ट वापस लिया
- सुप्रीम कोर्ट का फैसला,नई एफआईआर भी दर्ज नहीं होंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन से जुड़ी सभी एफआईआर को रद्द कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले के लिए संविधान के अनुच्छेद 142 में दी गई शक्तियों का इस्तेमाल किया। हालांकि सरकार ने यह भी कहा कि नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के डेटाबेस के मुताबिक, दिल्ली में क्रिमिनल रिकॉर्ड वाले 2,873 व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा जारी रहेगा। जांच केवल शारीरिक क्षति या संपत्ति को नष्ट करने के अपराधों तक ही सीमित रहेगी। सुनवाई से पहले कॉकरोच जनता पार्टी ने 5 सितंबर के मार्च को वापस लेने का फैसला किया है। प्रवक्ता सौरव ने बताया कि केंद्र ने उनकी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया है। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि छात्रों के विरोध प्रदर्शन के बाद सीजेपी नेताओं से किए गए तीनों वादे पूरे करने के लिए सरकार वचनबद्ध है।

सरकार अपने तीनों वादों को पूरा करने को प्रतिबद्ध

केंद्र और दिल्ली पुलिस की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि केंद्र, सीजेपी के नेताओं के साथ हुई बैठक में दिए गए तीनों आश्वासनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। पहला आश्वासन यह था कि केंद्र 20 जुलाई से 25 जुलाई के बीच दर्ज एफआईआर पर आगे कोई कार्रवाई नहीं करेगा। दूसरा वादा यह दिया गया कि इस मामले में कोई नई एफआईआर दर्ज नहीं की जाएगी। तीसरा भरोसा यह था कि सरकार उन छात्रों के परिवारों को मुआवजा देगी जिन्होंने कथित तौर पर नीट पेपर लीक के कारण आत्महत्या की थी। मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया, केंद्र सरकार नीट परीक्षा रद्द होने के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को मुआवजा देने के सीजेपी नेताओं से किए गए वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है; हालांकि, इसके तौर-तरीके तय करने में 3 महीने का समय लगेगा। उन्होंने आगे कहा, फिलहाल, हम तीनों वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह बात केंद्र सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली और अन्य राज्यों में नीट पेपर लीक के विरोध में हुए प्रदर्शनों के दौरान कथित हिंसा के लिए छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग वाली याचिका दायर करने के एक दिन बाद सामने आई है।

सीजेपी ने सुप्रीम कोर्ट में प्रदर्शन न करने का किया ऐलान

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सीजेपी के सौरव दास ने कहा, मैं यह कहना चाहता हूं कि भारत सरकार के सकारात्मक आश्वासनों और आज उन्हें मिली न्यायिक मान्यता को देखते हुए, और इस कोर्ट के आदेश को ध्यान में रखते हुए, कॉकरोच जनता पार्टी 5 सितंबर को होने वाले मार्च के आह्वान को वापस लेना उचित समझता है। उम्मीद है कि सरकार अपने वचन का पालन करेगी।

भारत को बड़ा डिफेंस ऑफर देने की तैयारी में है दोस्त रूस

एस-500 से एसयू-57 जेट तक खोला हथियारों का पिटारा

मॉस्को/नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस भारत को एसयू-57 स्टील्थ लड़ाकू विमान और एस-500 एयर डिफेंस सिस्टम बेचने के लिए बहुत बड़ा प्रस्ताव देने की तैयारी

कर रहा है। सोमवार को किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात हुई। यह मुलाकात नई दिल्ली में इस महीने दोनों नेताओं की होने वाली बैठक से कुछ दिन पहले हुई है। इस बीच मॉस्को अपने दो सबसे एडवांस्ड हथियार सिस्टम एस-500 प्रोमेथियस एयर डिफेंस एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम और एसयू-57 फेलन स्टील्थ फाइटर को लेकर बहुत बड़ी पेशकश की तैयारी करने जा रहा है। यह नई पहल ऐसे समय में हो रही है जब भारत अपने एयर डिफेंस सिस्टम और लड़ाकू विमानों की ताकत को तेजी से मजबूत कर रहा है।

भारत को नया प्रस्ताव देने की तैयारी में रूस

मॉस्को की इस पेशकश के केंद्र में एस-500 प्रोमेथियस है जो रूस का सबसे नया लंबी दूरी का एयर और मिसाइल डिफेंस सिस्टम है। मॉस्को एस-500 को भारत-रूस एयर डिफेंस पार्टनरशिप में अगले संभावित कदम के तौर पर पेश कर रहा है।

घर-दुकान बंद करके जाइए, पानी बढ़ने वाला है

- चित्रकूट में डीएम और एसपी कर रहे हैं अनाउंस
- दिन में अंधेरा,चित्रकूट में मंदाकिनी फिर उफनाई

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी और एमपी में मानसूनी बारिश का सिलसिला जारी है। मंगलवार सुबह से लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज और गोरखपुर समेत 35 जिलों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। लखनऊ में दोपहर 2 बजे अचानक अंधेरा छा गया। फिर तेज बारिश शुरू हो गई। कई जगह सड़कों पर पानी भर गया। सहारनपुर में मूसलाधार बारिश के कारण बरसाती नदियों में सैलाब आ गया। पुल और सड़कें जलमग्न हो गईं। रायबरेली में बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। फतेहपुर में 10 मीटर सड़क का हिस्सा बह गया। कन्नौज में गलियां तालाब बन गईं।

- **अफसर फील्ड में उतरें, पीड़ितों को तुरंत मुआवजे दें-** प्रदेश में मूसलाधार बारिश और बाढ़ से हुए नुकसान का मुख्यमंत्री योगी ने संज्ञान लिया है। उन्होंने वरिष्ठ अफसरों को खुद ग्राउंड पर उतरने और प्रभावित परिवारों को हरसंभव मदद पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। सीएम ने कहा- आम जनता को जलभराव जैसी दिक्कतों का सामना न करना पड़े। साथ ही, बाढ़ और बारिश से हुए नुकसान का आंकलन कर प्रभावित लोगों को 24 घंटे के भीतर मुआवजा दिया जाए। योगी ने लोगों से अपील की कि खराब मौसम के दौरान जरूरी होने पर ही घरों से बाहर निकलें। बारिश के बीच नदियों और तालाबों के पास जाने या नहाने से बचें।

लाउडस्पीकर से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील

डीएम पुलकित गर्ग और एसपी अरुण कुमार सिंह खुद सड़कों पर उतरे। लाउडस्पीकर से लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की। एसपी ने अनाउंसमेंट करते हुए कहा, मध्य प्रदेश में जोरदार बारिश हो रही है। आप सभी लोग अपने घर और दुकानें बंद कर सुरक्षित स्थानों पर चले जाइए, पानी फिर से बढ़ने वाला है। वहीं, काशी में भी गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई है। मणिकर्णिका घाट जलमग्न हो गया है। शवदाह गृह जाने वाला रास्ता डूब चुका है। लोग घुटनों तक पानी में अर्थी लेकर पहुंचने को मजबूर हैं। 50 फीट ऊंचा रत्नेश्वर महादेव मंदिर 95 फीसदी तक डूब गया है। मुख्य घाट स्थित जल पुलिस की चौकी में भी पानी घुस गया है।

नेपाल में फिर बाढ़ का अलर्ट, भय का माहौल

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में नदियों का जलस्तर बढ़ने के बाद 7 जिलों में बाढ़ का नया अलर्ट जारी किया गया है। अधिकारियों ने रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, गोरखा, तनहूं, नवलपरासी और चितवन जिलों में नदियों के किनारे बसे इलाकों के लिए चेतावनी जारी की है। 26 अगस्त को तिब्बत में ग्लेशियर टूटने के बाद नेपाल के कई इलाकों में अचानक बाढ़ और भूस्खलन हुआ। इस आपदा में मौत का आंकड़ा 1 हजार के पार हो चुका है। नेपाल में 1003 और तिब्बत में 16 लोगों की मौत हुई है। चितवन में अब तक सबसे ज्यादा 321 शव बरामद हुए हैं। जबकी 4400 से ज्यादा लोग

नदियों का जलस्तर बढ़ा, मौत का आंकड़ा 1 हजार के पार

लापता हैं। चीन नेपाल में डीएनए जांच करने वाले विशेषज्ञों की टीम भेजेगा। इसका मकसद बाढ़ में मारे गए उन लोगों की पहचान करने में मदद करना है, जिनकी पहचान नहीं हो पा रही है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी।

नेपाल में सैकड़ों अज्ञात शव सामूहिक कब्रों में दफन

नेपाल- तिब्बत में आई बाढ़ में मरने वालों की संख्या 1000 के पार चली गई है। सबसे ज्यादा शव चितवन में मिले हैं। यहां मॉर्चुरी में जगह कम पड़ने और स्वास्थ्य संबंधी खतरे बढ़ने के कारण अधिकारियों ने अज्ञात शवों को सामूहिक कब्रों में दफनाना शुरू किया है। बाद में पहचान हो सके, इसके लिए हर शव को एक अलग पहचान संख्या दी गई है, ताकि परिजन भविष्य में उन्हें पहचान सकें।

एक लाश पर तीन परिवारों का दावा, डीएनए जांच होगी

नेपाल में बाढ़ के बाद शवों की पहचान करना मुश्किल हो गया है। पोखरा के एक अस्पताल में रखे गए शव नंबर 1003 पर तीन परिवारों ने दावा किया है। अब इसकी पहचान डीएनए टेस्ट से होगी। बड़ी संख्या में परिवार अब अपने लापता परिजनों की पहचान के लिए डीएनए रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। कुछ परिजन फोटो, कपड़ों, गहनों, टैटू और शरीर के निशानों के आधार पर पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं। तिब्बत में बाढ़ और भूस्खलन के एक हफ्ते बाद भी रेस्क्यू अभियान जारी है। टीमें चीन-नेपाल सीमा तक जाने वाली आखिरी 1 किमी सड़क को दोबारा जोड़ने में जुटी हैं। तेज बहाव और लगातार बारिश के कारण राहत कार्य में दिक्कत आ रही है। प्रशासन ने नए भूस्खलन और ग्लेशियर टूटने का खतरा भी जताया है। तिब्बत में अब तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 546 लोग लापता हैं।

जेल में बंद श्वेता जैन ही है गिरोह की मास्टरमाइंड

इंदौर हनीट्रैप केस में पुलिस ने की चार्जशीट दाखिल

इंदौर (एजेंसी)। शराब कारोबारी को हनी ट्रैप में फंसाकर एक करोड़ रुपए की डिमांड करने के मामले में सभी आरोपी जेल में बंद हैं। अब आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी है। इस चार्जशीट में कई खुलासे हुए हैं। साथ ही यह भी साफ है कि इस हनीट्रैप गैंग की मास्टरमाइंड श्वेता जैन ही है। दरअसल, श्वेता जैन, रेशू चौधरी और अलका दीक्षित समेत अन्य आरोपियों ने इंदौर के शराब कारोबारी चिंटू को हनी ट्रैप की जाल में फंसाया था। इसके बाद एक करोड़ रुपए की डिमांड कर रहे थे। आरोपी शराब करोबारी को लगातार धमका रहे थे। इसके बाद पुलिस ने सभी को गिरफ्तार किया था।

जेल से बाहर आकर बनाई नई गैंग

चार्जशीट पिछले सप्ताह दाखिल हुई थी। इसके अनुसार इस पूरे गैंग की मास्टरमाइंड श्वेता जैन ही है। श्वेता जैन पहले भी हनी ट्रैप मामले में जेल जा चुकी है। जेल से निकलने के बाद श्वेता जैन ने एक अलग से गैंग बनाई है। इस गैंग में रेशू और अलका दीक्षित समेत अन्य लोगों को शामिल किया।

ब्राजील से यारी,भारत कर रहा 30 अरब डॉलर के ट्रेड की तैयारी

ब्राजील में दवाओं के निर्यात पर फोकस, रख दी है अपनी डिमांड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ब्राजील के रिश्तों में नजदीकियां बढ़ रही हैं। दोनों देश आपसी व्यापार को बढ़ाना चाहते हैं। इसी दिशा में भारत ने ब्राजील में दवाओं के निर्यात को बढ़ावा देने की तैयारी कर ली है। इसके लिए ब्राजील से ज्यादा भरोसेमंद रेगुलेटरी माहौल की मांग की गई है। भारत का कहना है कि इससे सस्ती और अच्छी क्वालिटी की दवाएं आसानी से मिल सकेंगी। सभी के लिए हेल्थकेयर को बेहतर बनाने की कोशिशों को मजबूती मिलेगी। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के मुताबिक, ब्राजीलिया में भारत-ब्राजील ट्रेड मॉनिटरिंग मैकेनिज्म की आठवीं बैठक में भारतीय दवाओं के लिए मार्केट तक पहुंच आसान बनाने की दिशा में प्रगति हुई।

सरकार ने बताया, भारत ने ज्यादा भरोसेमंद रेगुलेटरी प्रक्रियाओं का समर्थन करने और मार्केट तक पहुंच को आसान बनाने की जरूरत पर बल दिया। भारत और ब्राजील इस बात पर भी सहमत हुए कि भारत और दक्षिण अमेरिकी ब्लॉक मर्कोसुर के बीच मौजूदा ट्रेड समझौते का दायरा बढ़ाने के लिए बातचीत की शर्तों (टर्म्स ऑफ रेफरेंस) को जल्द से जल्द अंतिम रूप दिया जाए।

2009 में लागू हुआ था एग्रीमेंट

मर्कोसुर में ब्राजील, अर्जेंटीना, उरुग्वे और पैराग्वे शामिल हैं। भारत-मर्कोसुर प्रेफरेंशियल ट्रेड एग्रीमेंट 1 जून, 2009 को लागू हुआ था। मिनिस्ट्री ने कहा,भारत-मर्कोसुर प्रेफरेंशियल ट्रेड एग्रीमेंट में विस्तार और आधुनिकीकरण की काफी गुंजाइश है। 2025 में भारत-मर्कोसुर के बीच द्विपक्षीय व्यापार 20.84 अरब डॉलर तक पहुंचने के साथ दोनों पक्षों ने बातचीत की शर्तों को जल्द अंतिम रूप देने का वादा किया। 2025-26 में भारत और ब्राजील के बीच द्विपक्षीय व्यापार 15.07 अरब डॉलर तक पहुंच गया। दोनों देशों का टारगेट 2030 तक व्यापार को 30 अरब डॉलर तक पहुंचाना है।

मोदी की फिर अपील, जरूरत नहीं हो तो सोना अभी न खरीदें

वैश्विक संकट में भारत की जीडीपी 7.8 फीसदी दर से बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जीडीपी ग्रोथ रेट 7.8 फीसदी रहने पर देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर कहा कि यह उपलब्धि देशवासियों की इच्छाशक्ति, मेहनत और सामूहिक ताकत का नतीजा है। पीएम ने एक बार फिर लोगों से गैर-जरूरी सोने की खरीदारी से बचने की अपील की। उन्होंने कहा, 'अगर जरूरत न हो तो सोना नहीं खरीदना चाहिए।' इससे पहले 11 मई को भी पीएम ने देशवासियों से सोना नहीं खरीदने की अपील की थी। पीएम मोदी ने कहा- देश के अंदर कुछ लोग निराशा फैलाने और झूठ की गूंज के सहारे

माहौल खराब करने में लगे हैं। इन सभी चुनौतियों को पार करते हुए भारत ने 7.8 फीसदी की विकास दर हासिल की है। देश को यही रफ्तार बनाए रखनी होगी और आगे भी तेजी से विकास करना होगा।

सोन के पानी पर समझौता, अब असली परीक्षा

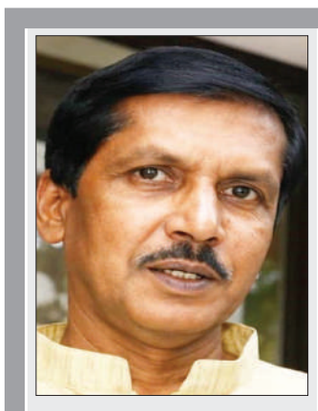

कुमार कृष्णन

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल तथा दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। केंद्र ने इसे 'टीम भारत' की भावना और सहकारी संघवाद का उदाहरण बताया है। लंबे समय से अटके किसी अंतरराज्यीय जल विवाद का बातचीत के जरिए समाधान निस्संदेह महत्वपूर्ण है। लेकिन किसी समझौते का महत्व उसके दस्तावेज में नहीं, उसके परिणाम में होता है।

सोन का पानी अब केवल नदी का सवाल नहीं है। बिहार और झारखंड के बीच करीब 25 साल से चला आ रहा जल विवाद समझौते की मेज तक पहुंचा है। नई दिल्ली में दोनों राज्यों ने सोन नदी के जल बंटवारे पर समझौता किया है। हिस्सेदारी तय हो गई, लेकिन असली सवाल अब शुरू होता है–क्या यह पानी खेतों और घरों तक पहुंचेगा? क्या दोनों राज्य नदी को केवल बंटवारे की वस्तु मानने के बजाय साझा प्राकृतिक संसाधन की तरह देख पाएंगे? इस समझौते की सफलता इन्हीं सवालों के जवाब पर निर्भर करेगी।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल तथा दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। केंद्र ने इसे 'टीम भारत' की भावना और सहकारी संघवाद का उदाहरण बताया है। लंबे समय से अटके किसी अंतरराज्यीय जल विवाद का बातचीत के जरिए समाधान निस्संदेह महत्वपूर्ण है। लेकिन किसी समझौते का महत्व उसके दस्तावेज में नहीं, उसके परिणाम में होता है।

सोन जल विवाद की पृष्ठभूमि 1973 के बाणसागर समझौते तक जाती है। वर्ष 2000 में बिहार से अलग होकर झारखंड के गठन के बाद अविभाजित बिहार के हिस्से में रहे सोन के पानी के पुनर्वितरण का प्रश्न सामने आया। दोनों राज्यों के बीच यह मामला वर्षों तक उलझा रहा। अब बनी व्यवस्था के अनुसार बिहार को 5.75 मिलियन एकड़-फीट और झारखंड को 2 मिलियन एकड़-फीट पानी का हिस्सा निर्धारित किया गया है।

यह हिस्सा दोनों राज्यों के ग्रामीण जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। बिहार में भोजपुर, बक्सर, रोहतास, कैमूर, औरंगाबाद, अरवल, गया और पटना के बड़े इलाके सोन की सिंचाई व्यवस्था से जुड़े हैं। झारखंड में पलामू और गढ़वा सहित आसपास के क्षेत्रों में सिंचाई और पेयजल की जरूरत लंबे समय से बनी हुई है। ऐसे में जल की हिस्सेदारी का स्पष्ट निर्धारण दोनों राज्यों के लिए राहत का आधार बन सकता है।

बिहार में सोन की सिंचाई व्यवस्था ने कृषि को अपेक्षाकृत स्थिर आधार दिया है। वर्षा की अनिश्चितता बढ़ने के साथ इसकी उपयोगिता और बढ़ी है। समय पर सिंचाई मिले तो किसान एक फसल पर निर्भर रहने के बजाय फसल विविधीकरण की ओर बढ़ सकते हैं। उत्पादन और ग्रामीण आय में भी सुधार की संभावना है। झारखंड के सूखा प्रभावित क्षेत्रों में इसका महत्व और व्यापक है, जहां सिंचाई के साथ पेयजल भी बड़ी समस्या है।

लेकिन यहीं समझौते की पहली और सबसे कठिन परीक्षा है। पानी का हिस्सा तय हो जाना और पानी का खेत तक पहुंचना अलग-अलग बातें हैं। नहरों की क्षमता, उनकी मरम्मत, जलाशयों का संचालन, वितरण नेटवर्क, बिजली और स्थानीय सिंचाई व्यवस्था तय करेगी कि समझौते का

लाभ वास्तव में किसे मिलता है। देश में अनेक सिंचाई परियोजनाओं का अनुभव रहा है कि स्रोत पर पानी मौजूद रहने के बावजूद कमजोर वितरण व्यवस्था के कारण उसका पूरा लाभ अंतिम छोर तक नहीं पहुंचता।

इसलिए समझौते के साथ स्पष्ट क्रियान्वयन योजना जरूरी है। दोनों राज्यों के बीच संयुक्त निगरानी व्यवस्था होनी चाहिए। जल प्रवाह, उपलब्धता और उपयोग के आंकड़े सार्वजनिक किए जाएं। किस मौसम में कितना पानी उपलब्ध है, कितना इस्तेमाल हुआ और किन क्षेत्रों को कितना पानी मिला–इनका नियमित हिसाब होना चाहिए। आधुनिक तकनीक से इसकी निगरानी संभव है। पारदर्शी आंकड़े राज्यों के बीच भरोसा बढ़ाने के साथ भविष्य के विवादों को भी रोक सकते हैं।

कम वर्षा या कम प्रवाह वाले वर्षों के लिए व्यवस्था और महत्वपूर्ण हो जाती है। सामान्य परिस्थितियों में हिस्सेदारी लागू करना आसान हो सकता है, लेकिन जल संकट के समय ही किसी समझौते की मजबूती सामने आती है। ऐसे समय में पेयजल, सिंचाई और नदी के पर्यावरणीय प्रवाह के बीच प्राथमिकता कैसे तय होगी, यह पहले से स्पष्ट होना चाहिए। संकट के समय यदि नियम अस्पष्ट रहे तो पुराना विवाद नए रूप में लौट सकता है।

अमित शाह ने सोन समझौते को सहकारी संघवाद का उदाहरण बताया है। इस वर्ष अंतरराज्यीय जल और उससे जुड़े कई मामलों में केंद्र की मध्यस्थता से सहमति बनी है। नर्मदा परियोजना से जुड़े राज्यों के बीच लंबित भुगतान का निपटारा, राजस्थान और हरियाणा के बीच यमुना जल परियोजना पर समझौता तथा किशाऊ बहुउद्देशीय बांध परियोजना से जुड़े छह राज्यों के बीच सहमति इसी क्रम में हुई है।

इन घटनाओं को केवल समझौतों की संख्या के रूप में देखने के बजाय संघीय राजनीति में बदलती कार्यशैली के संकेत के रूप में देखना चाहिए। जल विवादों को लंबे समय तक राजनीतिक टकराव और कानूनी प्रक्रिया में उलझाए रखने के बजाय बातचीत से हल करने की कोशिश सकारात्मक है। लेकिन सहकारी संघवाद का अर्थ केवल केंद्र की मध्यस्थता नहीं है। उसमें राज्यों के बीच बराबरी का भरोसा, पारदर्शिता और साझा जिम्मेदारी भी जरूरी है।

सोन के पानी का सवाल स्थानीय लोगों की भागीदारी से भी जुड़ा है। पानी के बारे में फैसले राजधानी में होते हैं, लेकिन उसका असर गांवों में दिखाई देता है। किसान, खेतिहर मजदूर, मछुआरे और नदी किनारे रहने वाले समुदाय नदी की बदलती स्थिति को सबसे पहले महसूस करते हैं। इसलिए जल प्रबंधन की व्यवस्था में स्थानीय अनुभव और जरूरतों को शामिल किया जाना चाहिए।

सोन को केवल सिंचाई की नहर में बदल देना भी दूरदर्शी नीति नहीं होगी। नदी का अपना पारिस्थितिक जीवन है। उसका प्राकृतिक प्रवाह भूजल पुनर्भरण, मिट्टी की नमी, जैव विविधता और नदी पर निर्भर आजीविका से जुड़ा है। यदि नदी से पानी निकालने की मात्रा बढ़ती रही और प्राकृतिक प्रवाह की चिंता नहीं की गई तो भविष्य में जल उपलब्धता का संकट और गहरा सकता है। जल बंटवारे में पर्यावरणीय प्रवाह को भी एक आवश्यक तत्व मानना होगा।

जलवायु परिवर्तन इस चुनौती को और गंभीर बना रहा है। बारिश का समय और वितरण पहले की तरह निश्चित नहीं रहा। कभी कम समय में अत्यधिक वर्षा होती है, तो कभी लंबे समय तक सूखा पड़ता है। इसलिए भविष्य की जल नीति को पुराने औसत आंकड़ों तक सीमित नहीं किया जा सकता। नदी के प्रवाह और जल उपलब्धता का लगातार वैज्ञानिक आकलन आवश्यक है।

जल प्रबंधन का अर्थ केवल नदी से अधिक पानी लेना भी नहीं है। वर्षाजल संचयन, भूजल पुनर्भरण, स्थानीय तालाबों और जल संरचनाओं का संरक्षण तथा सूक्ष्म सिंचाई जैसी व्यवस्थाओं को मजबूत करना होगा। खेत में पानी की दक्षता बढ़ेगी तो नदी पर दबाव कम होगा। फसल चयन को भी स्थानीय जल उपलब्धता के अनुरूप करने की जरूरत है।

इस समझौते का सबसे सकारात्मक पक्ष यह है कि सोन के पानी को विवाद की वस्तु से साझा विकास के संसाधन में बदला जा सकता है। बिहार और झारखंड की ऐतिहासिक निकटता इस सहयोग को आधार देती है। दोनों राज्यों की जरूरतें अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन कृषि और ग्रामीण जीवन के लिए पानी दोनों की समान आवश्यकता है।

इसलिए सोन समझौते को किसी एक राज्य की जीत या दूसरे की हार के रूप में देखना गलत होगा। पानी की साझेदारी का अर्थ है अधिकार के साथ जिम्मेदारी भी साझा करना। बिहार को अपने हिस्से के पानी का उपयोग करते हुए झारखंड की जरूरत को समझना होगा और झारखंड को भी साझा नदी तंत्र की सीमाओं को ध्यान में रखना होगा। इसी संतुलन से समझौता टिकाऊ बनेगा।

समझौते के बाद दोनों राज्यों को एक समयबद्ध कार्ययोजना बनानी चाहिए। नहरों और वितरण तंत्र की स्थिति का आकलन, आवश्यक निवेश, जल उपयोग की निगरानी और नियमित समीक्षा इसकी प्राथमिकता होनी चाहिए। साथ ही, विवाद खत्म होने के बाद संवाद खत्म नहीं होना चाहिए। नदी का स्वभाव बदलता है, इसलिए जल प्रबंधन की संस्थाओं को भी बदलती परिस्थितियों के अनुरूप काम करना होगा।

सोन का अनुभव देश के दूसरे अंतरराज्यीय जल विवादों के लिए भी महत्वपूर्ण है। पानी पर संघर्ष बढ़ने के पीछे केवल पानी की कमी नहीं, बल्कि आंकड़ों की अस्पष्टता, अविश्वास और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा भी होती है। यदि राज्यों के बीच जल संबंधी आंकड़ों की साझेदारी, वैज्ञानिक आकलन और नियमित संवाद की व्यवस्था हो तो अनेक विवादों को गंभीर होने से पहले ही रोका जा सकता है।

इस पूरे मामले में एक बुनियादी सवाल फिर भी बना रहेगा–हम नदी को देखते कैसे हैं? यदि नदी को केवल बांध, नहर और जल की मात्रा के रूप में देखा जाएगा तो कोई भी समझौता अधूरा रहेगा। नदी एक जीवित प्राकृतिक तंत्र है, जिसके साथ मनुष्य की खेती, आजीविका और संस्कृति जुड़ी है। जल नीति को इस व्यापक दृष्टि की जरूरत है।

सोन पर हुआ समझौता इसलिए एक अंत नहीं, बल्कि शुरूआत है। करीब ढाई दशक पुराने विवाद को सुलझाने की राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाई गई है। अब उसी इच्छाशक्ति को प्रशासनिक दक्षता, वैज्ञानिक प्रबंधन और पर्यावरणीय जिम्मेदारी में बदलना होगा।

अंततः इसकी सफलता का पैमाना कागज पर दर्ज 5.75 या 2 मिलियन एकड़-फीट पानी नहीं होगा। पैमाना यह होगा कि कितने खेतों तक सिंचाई पहुंची, कितने गांवों की पेयजल समस्या कम हुई और सोन का प्राकृतिक प्रवाह कितना सुरक्षित रहा।

सोन के पानी पर समझौता हो गया है। अब असली परीक्षा है–क्या पानी के साथ भरोसा भी बंटेगा, क्या विकास के साथ नदी भी बचेगी और क्या सहकारी संघवाद कागज से निकलकर खेत और गांव तक पहुंचेगा। यदि ऐसा हुआ तो यह समझौता केवल 25 साल पुराने विवाद का अंत नहीं, बल्कि अंतरराज्यीय जल सहयोग की एक नई शुरूआत होगा।

संपादकीय

फिर-फिर निर्भया कांड

एक बार फिर बारह साल पुराने निर्भया कांड की पुनरावृत्ति हुई है। निर्भयाकांड में दिसंबर 2012 में 23 साल की युवती के साथ क्रूरता से गैंगरेप हुआ था, जिसकी बाद में सिंगापुर के एक अस्पताल में मौत हो गई थी। इस घटना के बाद देश में व्यापक आक्रोश उभरा था। यौन हिंसा के खिलाफ कानून कठोर किए गए। इस कांड में साल 2020 में चार अपराधियों को फांसी की सजा दी गई थी। लेकिन सवाल यह है कि क्या सख्त कानून और कठोर सजाओं के बाद ऐसे अपराधों पर अंकुश लगा? दुखद है कि एक बार फिर निर्भयाकांड की पुनरावृत्ति हुई । अकेली नाबालिग लड़की, खाली बस और चलती बस में चालक-परिचालक द्वारा गैंग रेप। उ.प्र. की एक सोलह साल की लड़की किसी बात पर मां की डांट से क्षुब्ध हो घर छोड़कर अपने रिश्तेदार से मिलने नोयडा सेक्टर-63 के लिये चली। लेकिन रात के अंधेरे और बारिश के मौसम की गफलत में नोयडा के परी चौक पर उतर गई। सेक्टर-63 जाने के लिये उसने जिस बस को रुकवाया, उसमें बैठे दरिंदों ने बस के वहीं जाने की बात कहकर उसे बैठा लिया। पर्दे लगी स्लीपर बस में लड़की के बैठते ही परिचालक ने उससे छेड़छाड़ शुरू कर दी। चालक-परिचालक ने दुराचार किया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। करीब 47 किलोमीटर के सफर में उसके साथ यौन हिंसा हुई। अपराधी उसे कश्मीरी गेट के निकट रिंग रोड में छोड़कर फरार हो गए। किशोरी ने साहस दिखाते हुए रात ही में कश्मीरी गेट पुलिस को वारदात की सूचना दी। पुलिस ने इस मामले में टीम बनाकर पड़ताल की। बस की पहचान व रूट की जानकारी सीसीटीवी कैमरों के जरिये की गई। चालक-परिचालक को तिमारपुर की बस पार्किंग से गिरफ्तार किया गया। फोरेंसिक जांच के लिये बस को भी कब्जे में लिया गया है। लेकिन सवाल है कि चार अगस्त की घटना को पुलिस ने क्यों पर्दे में रखा? आखिर क्यों हादसे की सार्वजनिक जानकारी 31 अगस्त को मीडिया को दी गई?

चिंतन-मनन

मन की शक्ति

मन को जीवन का केंद्रबिंदु कहना असंभव नहीं है। मनुष्य की क्रियाओं, आचरणों का प्रारंभ मन से ही होता है। मन तरह-तरह के संकल्प, कल्पनाएं करता है। जिस ओर उसका रुझान हो जाता है उसी ओर मनुष्य की सारी गतिविधियां चल पड़ती है। जैसी कल्पना हो उसी के अनुरूप प्रयास-पुरुषार्थ एवं उसी के अनुसार फल सामने आने लगते हैं। मन जिधर रस लेने लगे उसमें लौकिक लाभ या हानि का बहुत महत्व नहीं रह जाता। प्रिय लगने वाले के लिए सब कुछ खो देने और बड़े से बड़े कष्ट सहने को भी मनुष्य सहज ही तैयार हो जाता है। मन यदि अच्छी दिशा में मुड़ जाए; आत्मसुधार, आत्मनिर्माण और आत्मविकास में रुचि लेने लगे तो जीवन में एक चमत्कार हो सकता है। सामान्य श्रेणी का मनुष्य भी महापुरुषों की श्रेणी में आसानी से पहुंच सकता है। सारी कठिनाई मन को अनुपयुक्त दिशा से उपयुक्त दिशा में मोड़ने की ही है। इस समस्या के हल होने पर मनुष्य सच्चे अर्थ में मनुष्य बनता हुआ देवत्व के लक्ष्य तक सुविधापूर्वक पहुंच सकता है। शरीर के प्रति कर्तव्य पालन करने की तरह मन के प्रति भी हमें अपने उत्तरदायित्वों को पूर्ण करना चाहिए। कुविचारों और दुर्भावनाओं से मन गंदा, मलिन और पतित होता है, अपनी सभी विशेषता और श्रेष्ठताओं को खो देता है। इस स्थिति से सतर्क रहने और बचने की आवश्यकता का अनुभव करना हमारा पवित्र कर्तव्य है। मन को सही दिशा देते रहने के लिए स्वाध्याय की वैसी ही आवश्यकता है जैसे शरीर को भोजन देने की। आत्मनिर्माण करने वाली जीवन की समस्याओं को सही ढंग से सुलझाने वाली उत्कृष्ट विचारधारा की पुस्तकें पूरे ध्यान, मनन और चिंतन के साथ पढ़ते रहना ही स्वाध्याय है। यदि सुलझे हुए विचारों के जीवन विद्या के ज्ञाता कोई संभ्रांत सज्जन उपलब्ध हो सकते हों तो उनका सत्संग भी उपयोगी सिद्ध हो सकता है। मन का स्वभाव बालक जैसा होता है, उमंग से भरकर वह कुछ न कुछ करना-बोलना चाहता है। यदि दिशा न दी जाए तो उसकी क्रियाशीलता तोड़-फोड़ एवं गाली-गलौज के रूप में भी सामने आ सकती है। मन में जब सद्विचार भरे रहेंगे तो कुविचार भी कोई दूसरा रास्ता टटोलेंगे। ...

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह : जंक फूड की चमक के पीछे छिपता पोषण का संकट

योगेश कुमार गोयल

भारत में प्रतिवर्ष लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए संतुलित आहार सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से एक से 7 सितम्बर के बीच 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' मनाया जाता है। भारत सरकार के महिला और बाल विकास मंत्रालय के अंतर्गत खाद्य और पोषण बोर्ड प्रतिवर्ष एक विशेष थीम के साथ इसका आयोजन करता है, जो पूरे सप्ताह के दौरान होने वाली गतिविधियों और कार्यक्रमों की दिशा निर्धारित करती है। 2026 के राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का विषय है 'पोषण की शक्ति को जानें' जो समग्र कल्याण को बढ़ावा देने और कुपोषण को रोकने के लिए सभी आयु समूहों के लिए संतुलित आहार और स्वस्थ खाने के महत्व पर जोर देता है। दरअसल स्वस्थ रहने के लिए पौष्टिक और संतुलित आहार के सेवन की आवश्यकता है लेकिन आज की बिगड़ी जीवनचर्या और गलत खानपान के कारण लोगों में तरह-तरह की बीमारियां पनप रही हैं। एक स्वस्थ और संतुलित आहार हमारे शरीर के विभिन्न अंगों को पोषण प्रदान करता है और हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक होता है। पोषण सप्ताह के अवसर पर बेहतर स्वास्थ्य के लिए लोगों को शरीर को पोषण देने वाली खानपान की चीजों के बारे में जागरूक करने के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। दरअसल स्वास्थ्य के मोर्चे पर भारत द्वारा बेहतर कार्य करने के बावजूद लोगों में सेहत को लेकर जागरूकता के अभाव के चलते रोगियों का आंकड़ा बढ़ रहा है, जो उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं पर बहुत भारी पड़ रहा है। पोषण के महत्व को समझते हुए लोगों को खानपान, पोषण की पूर्ति और सेहत को लेकर जागरूक करने के लिए मार्च 1975 में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाए जाने की घोषणा सर्वप्रथम 'अमेरिकन डायटेटिक्स एसोसिएशन' द्वारा की गई थी, जिसे अब 'न्यूट्रिशन एंड डाइट साइंस एकेडमी' के नाम से जाना जाता है। 1980 में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह एक सप्ताह के बजाय पूरे एक माह तक मनाया जाने लगा लेकिन 1982 में निर्णय लिया गया कि इसे पूरे एक महीने के बजाय सितम्बर महीने के पहले सप्ताह में ही मनाया जाएगा। तभी से एक से सात सितम्बर तक 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' मनाया जा रहा है। पोषण सप्ताह के अवसर पर लोगों को शरीर को पोषण देने वाले फल, सब्जियों और अन्य पौष्टिक खाद्य सामग्रियों को आजमाने के लिए प्रेरित किया जाता है। कुपोषण का मनुष्य के स्वास्थ्य और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जिसके परिणामस्वरूप उत्पादकता में कमी और आर्थिक पिछड़ेपन की समस्या भी उत्पन्न होती है। पोषण स्वास्थ्य और कल्याण का केन्द्र बिंदु है, जो कार्य करने के लिए शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करता है और तंदुरुस्त एवं बेहतर महसूस करने में भी मददगार होता है। पर्याप्त पोषण का सेवन करने वाले व्यक्ति अधिक कार्य करते हैं जबकि खराब पोषण प्रतिरक्षा में कमी, बीमारी के जोखिम को बढ़ाने, शारीरिक एवं मानसिक विकास को क्षीण करने तथा कार्यक्षमता में कमी पैदा करने का कार्य करता हैं।

कानून का डर ही नहीं, संस्कारों की रोशनी भी जरूरी

कांतिलाल मांडोत

नाबालिग छात्रा के साथ बस में अपराध समाज के लिए चेतावनी, बेटियों की सुरक्षा केवल कड़े कानून से नहीं बल्कि चरित्र निर्माण से होगी...

नई दिल्ली में 16 वर्षीय छात्रा के साथ चलती बस में हुए कथित सामूहिक दुष्कर्म की घटना ने एक बार फिर समाज की अंतरात्मा को झकझोर दिया है। पुलिस के अनुसार छात्रा ग्रेटर नोएडा के परी चौक से एक बस में सवार हुई थी और बाद में उसे दिल्ली के कश्मीरी गेट इलाके में छोड़ दिया गया। मामले में बस चालक और परिचालक को गिरफ्तार किया गया है। घटना की जांच चल रही है और अदालत में आरोपों की पुष्टि तथा अंतिम दोष सिद्ध होना अभी बाकी है। लेकिन इतना जरूर है कि एक नाबालिग लड़की के साथ इस प्रकार की कथित घटना समाज के सामने कई गंभीर सवाल खड़े करती है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर कानून कड़े होने के बावजूद अपराधियों के मन में कानून का भय क्यों नहीं पैदा हो रहा है? देश में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों के लिए कठोर प्रावधान मौजूद हैं। नाबालिगों की सुरक्षा के लिए पॉक्सो कानून बनाया गया है और गंभीर अपराधों के लिए कड़ी सजा का प्रावधान है। इसके बावजूद जब ऐसी घटनाएं सामने आती हैं तो स्पष्ट होता है कि केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं है। कानून आवश्यक है, लेकिन अपराध रोकने के लिए कानून के साथ सामाजिक चेतना, नैतिक शिक्षा, परिवार के संस्कार और जिम्मेदार नागरिकता भी उतनी ही आवश्यक है।

यह घटना इसलिए भी चिंता बढ़ाती है क्योंकि पीड़िता एक छात्रा है। वह किसी सुरक्षित भविष्य की ओर बढ़ रही एक बच्ची है। परिवार से किसी बात को लेकर निकली, रास्ते में परिस्थितियों के कारण असहाय हुई और जिस वाहन को उसने मदद का माध्यम समझा, उसी में उसके साथ कथित अपराध हो गया। यह स्थिति बताती है कि सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अभी भी बहुत कुछ किए जाने की जरूरत है। यात्रियों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा केवल कागजों पर नहीं, बल्कि जमीन पर दिखाई देनी चाहिए।

सार्वजनिक परिवहन में चालक और परिचालक केवल वाहन चलाने या यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने वाले कर्मचारी नहीं होते। उनके ऊपर यात्रियों की सुरक्षा की भी जिम्मेदारी होती है। इसलिए परिवहन कंपनियों और संबंधित विभागों को कर्मचारियों के सत्यापन, प्रशिक्षण और निगरानी को गंभीरता से लेना चाहिए। बसों में पर्याप्त निगरानी व्यवस्था, आपातकालीन सहायता, शिकायत तंत्र और नियमित निरीक्षण की व्यवस्था प्रभावी होनी चाहिए। किसी भी यात्री को यह महसूस नहीं होना चाहिए कि संकट की स्थिति में वह पूरी तरह अकेला है।

लेकिन सवाल केवल व्यवस्था का नहीं है। सवाल उस मानसिकता का भी है जिसमें किसी लड़की या महिला को कमजोर समझकर उसके साथ मनमानी करने की कोशिश की जाती है। किसी महिला की मजबूरी, अकेलापन या असहाय स्थिति किसी दूसरे व्यक्ति को अपराध करने का अधिकार नहीं देती। किसी की चुप्पी को सहमति समझना, विरोध को दबाने की कोशिश करना या डराकर अपनी बात मनवाना घोर अन्याय है। यह बहादुरी नहीं, बल्कि कायरता और चरित्रहीनता है। समाज को यह समझना होगा कि महिलाओं के सम्मान की शुरूआत घर से होती है। बच्चे क्या देखते हैं, क्या सुनते हैं और किस वातावरण में बड़े होते हैं, इसका उनके व्यक्तित्व पर गहरा प्रभाव पड़ता है। माता-पिता द्वारा दिए गए संस्कार जीवनभर साथ रहते हैं। बच्चों को बचपन से ही यह सिखाना जरूरी है कि हर व्यक्ति की गरिमा का सम्मान करना चाहिए। लड़की और लड़के में भेद किए बिना दोनों को मर्यादा, सहमति, जिम्मेदारी और दूसरे व्यक्ति के अधिकारों का महत्व समझाना होगा।

आज के समय में बच्चों और किशोरों पर उनके मित्रों, इंटरनेट, सोशल मीडिया और आसपास के वातावरण का भी प्रभाव पड़ता है। गलत संगत कई बार सही और गलत के बीच का अंतर कमजोर कर देती है। इसलिए केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि परिवार ने संस्कार दिए हैं। परिवार, विद्यालय और समाज तीनों को मिलकर बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में भूमिका निभानी होगी। युवाओं को यह समझाना होगा कि क्षणिक आवेश में लिया गया गलत निर्णय पूरी जिंदगी को प्रभावित कर सकता है।

अपराध के बाद पीड़िता की जिंदगी पर पड़ने वाले प्रभाव को भी समाज को समझना होगा। किसी अपराध की सबसे बड़ी त्रासदी केवल घटना तक सीमित नहीं रहती। पीड़ित व्यक्ति को लंबे समय तक मानसिक पीड़ा, भय, सामाजिक दबाव और असुरक्षा का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए ऐसी घटनाओं में पीड़िता को दोष देने, उसके चरित्र पर सवाल उठाने या घटना के लिए उसे जिम्मेदार ठहराने की मानसिकता पूरी तरह समाप्त होनी चाहिए। अपराध की जिम्मेदारी केवल अपराध करने वाले की होती है। परिवारों की भी जिम्मेदारी है कि बच्चे यदि किसी परेशानी में हों तो वे बिना डर अपनी बात परिवार के सामने रख सकें। घर ऐसा स्थान होना चाहिए जहां बच्चा संकट में सबसे पहले अपने माता-पिता या किसी भरोसेमंद व्यक्ति से सहायता मांग सके। संवाद की कमी कई समस्याओं को गंभीर बना देती है। बच्चों को यह विश्वास दिलाना आवश्यक है कि परेशानी में घर लौटना शर्म की बात नहीं, बल्कि समझदारी है।

इसके साथ ही प्रशासन और पुलिस की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। ऐसे मामलों में त्वरित जांच, वैज्ञानिक साक्ष्यों का संरक्षण और निष्पक्ष कार्रवाई आवश्यक है। अपराधी चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, कानून से ऊपर कोई नहीं होना चाहिए। तेज और निष्पक्ष न्याय व्यवस्था समाज में कानून के प्रति विश्वास मजबूत करती है। केवल कठोर सजा की घोषणा से अपराध नहीं रुकते; अपराध की निश्चित जांच, गिरफ्तारी और न्यायिक प्रक्रिया का प्रभावी होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

चौदह वर्ष पहले दिल्ली में हुई निर्भया घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया था। उसके बाद कानूनों में कई महत्वपूर्ण बदलाव हुए और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर देशभर में गंभीर चर्चा हुई। फिर भी समय-समय पर सामने आने वाली घटनाएं बताती हैं कि कानून के साथ सामाजिक सोच में परिवर्तन की जरूरत अभी समाप्त नहीं हुई है। किसी घटना के बाद कुछ दिनों तक आक्रोश व्यक्त करना पर्याप्त नहीं। वास्तविक बदलाव तब होगा जब महिलाओं का सम्मान हमारे व्यवहार का स्वाभाविक हिस्सा बनेगा।

यह भी याद रखना होगा कि हर अपराधी को केवल किसी दूसरे घर की बेटी के संदर्भ में नहीं देखा जाना चाहिए। हर लड़की किसी की बेटी, बहन या परिवार का हिस्सा है, लेकिन उससे भी पहले वह स्वयं एक स्वतंत्र और सम्मानित इंसान है। महिलाओं का सम्मान रिश्ते के आधार पर नहीं, मानव गरिमा के आधार पर होना चाहिए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने बच्चों को केवल सफल बनने की शिक्षा न दें, बल्कि अच्छा इंसान बनने की शिक्षा भी दें। पढ़ाई, नौकरी और आर्थिक सफलता महत्वपूर्ण हैं, लेकिन चरित्र, संयम और संवेदनशीलता के बिना ये उपलब्धियां अधूरी हैं। परिवारों में संवाद बढ़े, विद्यालयों में नैतिक एवं नागरिक शिक्षा को महत्व मिले, युवाओं को जिम्मेदार व्यवहार के लिए प्रेरित किया जाए और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए। दिल्ली की यह घटना पूरे समाज के लिए चेतावनी है। बेटियों की सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है और न ही केवल सरकार की। यह परिवार, विद्यालय, परिवहन व्यवस्था, प्रशासन और समाज–सभी की साझा जिम्मेदारी है। कठोर कानून अपराध के बाद न्याय दिला सकता है, लेकिन संस्कार और जागरूकता अपराध होने से पहले रोकने की शक्ति रखते हैं।

अंततः हमें यह संकल्प लेना होगा कि किसी भी महिला या बच्ची के सम्मान से खिलवाड़ को कभी सामान्य नहीं माना जाएगा। गलत को गलत कहने का साहस परिवार से लेकर समाज तक विकसित करना होगा। क्योंकि कानून का भय अपराधी को रोक सकता है, लेकिन अच्छे संस्कार व्यक्ति को अपराध करने की सोच तक पहुंचने से रोकते हैं। जब कानून की मजबूती और संस्कारों की शक्ति साथ आएगी, तभी ऐसा समाज बनाया जा सकेगा जिसमें बेटियां भय के साथ नहीं, विश्वास और सम्मान के साथ घर से बाहर निकल सकें।

ब्रिक्स सम्मेलन से पहले दिल्ली पुलिस का मेगा रिहर्सल, विदेशी मेहमानों की आवाजाही पर खास फोकस

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में आगामी ब्रिक्स सम्मेलन को लेकर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को विशेष रिहर्सल की। सम्मेलन के दौरान विदेशी प्रतिनिधियों की आवाजाही सुचारु और सुरक्षित रहे, इसके लिए दिल्ली पुलिस की यातायात इकाई ने अलग-अलग होटलों से भारत मंडपम तक एस्कॉर्ट वाहनों के संचालन का अभ्यास किया। रिहर्सल के दौरान इस बात पर विशेष जोर रहा कि वास्तविक समय में एस्कॉर्ट काफिले को बिना किसी व्यवधान के निर्धारित समय पर भारत मंडपम पहुंचाया जा सके। भारत मंडपम में 11, 12 और 13 सितंबर को ब्रिक्स सम्मेलन का आयोजन होना है। इसमें कई देशों के प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है। विदेशी मेहमानों के ठहरने के लिए दिल्ली के करीब 10 अलग-अलग होटलों की व्यवस्था की गई है। ऐसे में होटल से सम्मेलन स्थल तक मेहमानों की सुरक्षित आवाजाही दिल्ली पुलिस के लिए बड़ी जिम्मेदारी है। दिनेश कुमार गुप्ता अतिरिक्त पुलिस आयुक्त यातायात ने बताया कि दिल्ली पुलिस इस बार सुरक्षा और यातायात प्रबंधन में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक, गूगल मैप और अन्य तकनीकी माध्यमों की मदद से रियल टाइम ट्रैफिक स्थिति पर नजर रखी जाएगी। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विदेशी मेहमानों के काफिले को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। एयरपोर्ट से होटल और होटल से भारत मंडपम तक विशेष सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था रहेगी। अजय चौधरी विशेष पुलिस आयुक्त ने बताया कि ब्रिक्स सम्मेलन को देखते हुए दिल्ली के सभी प्रमुख बॉर्डर इलाकों में भी सुरक्षा बढ़ाई जा रही है। दिल्ली में प्रवेश करने वाले वाहनों और संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। पुलिस का मकसद सम्मेलन के दौरान सुरक्षा के साथ-साथ राजधानी की यातायात व्यवस्था को भी सुचारु बनाए रखना है।

मोबाइल खोने वालों के लिए राहत की खबर, पुलिस ने 80 फोन खोज निकाले

एजेंसी

नई दिल्ली। मोबाइल गुम हुआ तो उम्मीद छोड़ने की जरूरत नहीं। नई दिल्ली जिला पुलिस की मोबाइल क्रैक टीमों ने तकनीक और जमीनी नेटवर्क के दम पर महज 20 दिनों में 80 गुम और चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद कर लिए। इनमें से 51 मोबाइल उनके असली मालिकों को सौंपे जा चुके हैं। फोन वापस मिलने पर कई लोगों के चेहरे पर लंबे इंतजार के बाद खुशी लौट आई। नई दिल्ली जिले के डीसीपी सचिन शर्मा ने बताया कि 11 अगस्त से 31 अगस्त 2026 के बीच सभी थाना क्षेत्रों और विशेष इकाइयों की मोबाइल क्रैक टीमों ने लगातार अभियान चलाया। तकनीकी निगरानी, मोबाइल की तकनीकी जानकारी के विश्लेषण और मैदानी स्तर पर जुटाई गई सूचनाओं के आधार पर अलग-अलग स्थानों से मोबाइल फोन बरामद किए गए। सबसे ज्यादा 21 मोबाइल फोन थाना नॉर्थ एवेन्यू की टीम ने बरामद किए। इसके बाद कर्तव्य पथ और तुगलक रोड से 12-12, बाराखंभा रोड से 12, संसद मार्ग से 7, मंदिर मार्ग से 6, कनॉट प्लेस से 3, तिलक मार्ग से 2 तथा साउथ एवेन्यू और विशेष स्टाफ से एक-एक मोबाइल बरामद हुआ। इनमें से 51 फोन सत्यापन के बाद मालिकों को सौंपे गए। बाकी मोबाइल की पहचान और स्वामित्व की पुष्टि की जा रही है। औपचारिकताएं पूरी होते ही उन्हें भी संबंधित लोगों को सौंप दिया जाएगा। यह पूरी कार्रवाई एसीपी कनॉट प्लेस की निगरानी और संबंधित थानों के थाना प्रभारियों व निरीक्षक विशेष स्टाफ के निर्देशन में हुई। अभियान में मोबाइल क्रैक टीमों ने तकनीकी संसाधनों और स्थानीय सूचना तंत्र का इस्तेमाल किया। नई दिल्ली जिला पुलिस की यह पहल सिर्फ मोबाइल बरामद करने की कहानी नहीं, बल्कि खोई चीज के साथ नागरिकों का पुलिस पर भरोसा लौटाने की भी कहानी है।

18 घंटे में खुला अशोक विहार फायरिंग कांड, 100 किलोमीटर पीछा कर होटल से तीन आरोपी दबोचे

तरुण कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली के अशोक विहार में झुग्गी पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दहशत फैलाने वाले आरोपियों तक दिल्ली पुलिस ने महज 18 घंटे में पहुंचकर सनसनीखेज वारदात का खुलासा कर दिया। उत्तर-पश्चिम जिला स्पेशल स्टाफ की टीम ने करीब 100 किलोमीटर तक पीछा करने के बाद बुराड़ी के एक होटल में छापा मारकर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल स्विफ्ट डिजायर कार भी बरामद की है। उत्तर पश्चिम जिले की डीसीपी आकांक्षा यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजेश उर्फ काना (30), रोहित उर्फ समोसा (23) और नितिन (20) के रूप में हुई है। राजेश उर्फ काना इस पूरी वारदात का मास्टरमाइंड है। वह दिल्ली और उत्तर प्रदेश में हत्या के तीन मामलों में पहले भी शामिल रहा है, जबकि रोहित हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के मामलों में आरोपी रह चुका है। 31 अगस्त को सत्संग कॉलोनी निवासी देव उर्फ काके की झुग्गी पर दो राउंड फायरिंग की गई थी। आरोपियों ने ईंट और बोतलें भी फेंकीं। वारदात के पीछे देव के भाई अर्जुन से चल रहा कथित व्यक्तिगत विवाद सामने आया है।

मामला दर्ज होते ही स्पेशल स्टाफ ने तकनीकी निगरानी और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। जांच में राजेश का नाम सामने आने के बाद पुलिस को पता चला कि उसके पुराने हत्या के एक मामले की सुनवाई उसी दिन नोएडा की अदालत में थी। इसी सुराग से पुलिस टीम आरोपियों के पीछे लगी और करीब 100 किलोमीटर तक उनका पीछा करते हुए बुराड़ी पहुंची। करीब एक घंटे की गुप्त निगरानी के बाद होटल में दबिश देकर तीनों को दबोच लिया गया। राजेश की निशानदेही पर लफ55-इऊ6329 नंबर की कार बरामद हुई। वहीं रोहित के मोबाइल से कथित तौर पर वारदात का बखान करने वाला वीडियो भी मिला, जिसे उसने व्हाट्सऐप के जरिए राजेश को भेजा था।

इस कार्रवाई में एसआई रोहित चाहर, एसआई आकांश शर्मा, एएसआई देवेंद्र दहिया, एएसआई सोमवीर, हेड कांस्टेबल नरसी राम, जोगेंद्र, सत्य, सलींदर, दिनेश लाकड़ा और राजीव शामिल रहे। टीम ने इंस्पेक्टर सोमिल शर्मा, प्रभारी स्पेशल स्टाफ, तथा एसीपी रणजीत ढाका, ऑपरेशंस सेल की निगरानी में कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

150 से 200 कैमरों की नजर, रात में पीछा और फिर दबोचा गया ऑटोलिफ्टर

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्वी जिले में एएटीएस की टीम ने फिल्मी अंदाज में ऑटोलिफ्टर को दबोच लिया। करीब 150 से 200 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर पुलिस ने संदिग्ध की आवाजाही का पीछा किया और आखिरकार मयूर विहार फेज-1 में चोरी की ब्रेजा के साथ 24 वर्षीय अविनाश चौधरी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की मारुति सुजुकी ब्रेजा, फर्जी नंबर प्लेट और मास्टर चाबी बरामद की है। पूर्वी जिला डीसीपी राजीव कुमार रावल ने बताया कि आरोपी चोरी की गाड़ी पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर उसे सड़कों पर दौड़ा रहा था, ताकि पुलिस की नजर से बच सके। एएटीएस टीम ने जोशी कॉलोनी, मधु विहार इलाके से संदिग्ध ब्रेजा की आवाजाही को सीसीटीवी कैमरों के जरिए पीछे और आगे तक ट्रैक किया। तकनीकी निगरानी और लगातार पीछा करने के बाद रात करीब साढ़े 11 बजे नोएडा लिंक सर्विस रोड, क्राउन प्लाजा होटल के पीछे, मयूर विहार फेज-1 में गाड़ी को रोक लिया गया। जांच में पता चला कि ब्रेजा गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाने में दर्ज चोरी के मामले में वांछित थी। आरोपी की पहचान आईपी एक्सटेंशन के जोशी कॉलोनी निवासी अविनाश चौधरी के रूप में हुई, जो पेशे से डॉग ट्रेनर है।पूछताछ में आरोपी ने महिंद्रा थार और टोयोटा फॉर्च्यूनर चोरी करने की बात भी बताई है। इन दोनों वाहनों की बरामदगी और उसके दावे की पुलिस जांच कर रही है। इस कार्रवाई को एसीपी ऑपरेशंस पवन कुमार की निगरानी और इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार, प्रभारी एएटीएस की अगुवाई में अंजाम दिया गया। टीम में एसआई विक्रम सिंह, एसआई शुभांशु, एएसआई सत्यवीर, एएसआई मुनेन्द्र, एएसआई अजय, एएसआई नीरज, एएसआई प्रवीण, हेड कांस्टेबल मनोज, हेड कांस्टेबल राहिश, हेड कांस्टेबल विक्रांत, कांस्टेबल राजीव और महिला कांस्टेबल तमन्ना शामिल रहे।

जेब पर टक्कर, बातों में उलझाया और 30 हजार पर हाथ साफ, 48 घंटे में पुलिस ने दबोचे दोनों जेबकतरे

एजेंसी

नई दिल्ली। आनंद पर्वत इलाके में राह चलते शख्स को टक्कर मारकर बातों में उलझाना और उसकी जेब से 30 हजार रुपये उड़ाना दो आरोपियों को भारी पड़ गया। वारदात के महज 48 घंटे के भीतर आनंद पर्वत थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर 19,500 रुपये बरामद कर लिए। मध्य जिले के डीसीपी रोहित राजवीर सिंह ने बताया कि घाटी रोड स्थित न्यू आर्य पब्लिक स्कूल के सामने 36 वर्षीय शिकायतकर्ता की जेब से 30 हजार रुपये चोरी हो गए थे। आरोप है कि एक युवक ने जानबूझकर उसे टक्कर मारी और बातचीत में उलझा लिया। इसी दौरान उसके साथी ने पीछे की जेब से नकदी निकाल ली और दोनों अलग-अलग दिशाओं में फरार हो गए। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने तकनीकी जांच, सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। लगातार सुराग जुटाने के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों की पहचान कर उन्हें दो दिन के भीतर दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मयंक उर्फ मनु (23) और विनय सोनकर (25) के रूप में हुई है। दोनों बापा नगर, करोल बाग के रहने वाले हैं। पुलिस ने विनय से 15 हजार रुपये और मयंक से 4,500 रुपये बरामद किए। पुलिस जांच में सामने आया है कि दोनों का पहले भी चोरी और लूट के मामलों में आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। इस कार्रवाई को एसीपी पटेल नगर की निगरानी और एसएचओ आनंद पर्वत के निर्देशन में गठित टीम ने अंजाम दिया। टीम में एएसआई राजेंद्र, हेड कांस्टेबल संजय और हेड कांस्टेबल जितेंद्र शामिल रहे। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर उनके अन्य वारदातों से जुड़े होने की भी जांच कर रही है।

शेयर बाजार में मोटे मुनाफे का झांसा देकर 20.72 लाख की ठगी, बैंक अधिकारी समेत तीन गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। शेयर बाजार में निवेश कर कम समय में मोटा मुनाफा कमाने का सपना दिखाकर 20.72 लाख रुपये की साइबर ठगी करने वाले गिरोह का उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस ने पदार्फाश किया है। थाना साइबर उत्तर-पश्चिम की टीम ने मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक निजी बैंक का डिप्टी मैनेजर भी शामिल है। पुलिस ने इनके कब्जे से अपराध में इस्तेमाल चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं। दिल्ली पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान उत्तर पश्चिम जिले की डीसीपी आकांक्षा यादव ने बताया कि शिकायतकर्ता नितिन अरोड़ा को साइबर ठगों ने शेयर बाजार में निवेश के नाम पर आकर्षक रिटर्न का लालच दिया। विश्वास में लेकर उससे कुल 20 लाख 72 हजार रुपये की रकम ठग ली गई। शिकायत के बाद थाना साइबर उत्तर-पश्चिम में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। इसके बाद पुलिस टीम ने ठगी की रकम के मनी ट्रेल, बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और तकनीकी साक्ष्यों की कड़ियां जोड़नी शुरू कीं। जांच में रकम पहले कनहैया दास के बैंक खाते में पहुंची और बाद में राहुल टेलर ने सेल्फ चेक के जरिए नकदी निकालने तथा धनराशि स्थानांतरित करने में भूमिका निभाई। तकनीकी निगरानी के दौरान पुलिस को आरोपियों का सुराग मावली, उदयपुर, राजस्थान में मिला। टीम ने लगातार निगरानी और मैदानी सत्यापन के बाद कनहैया दास और राहुल टेलर को 23 मई 2026 को गिरफ्तार कर लिया। जांच आगे बढ़ी तो डिजिटल साक्ष्यों ने गिरोह में एक निजी बैंक के डिप्टी मैनेजर आरिफ हुसैन मंसूरी की भूमिका उजागर कर दी। आरोप है कि वह दो प्रतिशत कमीशन के बदले साइबर ठगों को बैंक खाते की सुविधा उपलब्ध कराने में मदद करता था। इसके बाद पुलिस ने उसे भी मावली से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम में एसआई अशांग, हेड कांस्टेबल अमित और कांस्टेबल रविंदर शामिल रहे। टीम ने इंस्पेक्टर दिनेश दहिया, एसएचओ साइबर उत्तर-पश्चिम और एसीपी साइबर सृष्टि भट्ट की निगरानी में कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि शेयर बाजार में गारंटीड या जल्द मुनाफे का लालच देने वाले अनजान लोगों और ऑनलाइन समूहों से सावधान रहें। साइबर ठगी होने पर तुरंत 1930 पर शिकायत करें।

नौ साल से फरार डबल मर्डर का आरोपी दिल्ली में गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी गैंगस्टर स्क्वॉड (एजीएस) ने राजस्थान के भरतपुर में वर्ष 2017 में हुए सनसनीखेज दोहरे हत्याकांड के मामले में करीब नौ साल से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 50 वर्षीय चुम्मा उर्फ नवल किशोर, निवासी मोहन गार्डन, दिल्ली के रूप में हुई है। उसके खिलाफ अदालत से स्थायी गैर-जमानती वारंट जारी था। क्राइम ब्रांच डीसीपी हर्ष इंदौरा ने बताया कि 14 जुलाई 2017 को भरतपुर के उचैन थाना क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हुआ था। इस दौरान बड़ी संख्या में हथियारबंद लोगों ने एक पक्ष पर हमला कर फायरिंग की थी, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हुए थे। मामले में करीब 35 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है।

चुम्मा उर्फ नवल किशोर गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था। 24 अगस्त को एजीएस टीम को उसके बारे में पुख्ता सूचना मिली। इसके बाद तकनीकी निगरानी और मैनुअल सर्विलांस के जरिए उसकी गतिविधियों पर नजर रखी गई और उसे दबोच लिया गया।यह कार्रवाई निरीक्षक कृष्ण कुमार के नेतृत्व में उपनिरीक्षक गोविंद, सहायक उपनिरीक्षक सुरेंद्र कुमार, मिंटू, धर्मराज, दीपक, प्रधान आरक्षक पप्पू, श्याम सुंदर, तारिक, अनूप और आरक्षक धीरज की टीम ने की। टीम सहायक पुलिस आयुक्त भगवती प्रसाद की निगरानी में की गई। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ दिल्ली में भी 12 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पूछताछ और आगे की जांच जारी है।

1000 किलोमीटर पीछा बिहार में मिला 3 साल का मासूम, मां की आंखों में लौट आई खुशी

तरुण कुमार

नई दिल्ली। वेस्ट जिले के ख्याला से अगवा हुआ 3 साल का मासूम आखिरकार एक हजार किलोमीटर से ज्यादा लंबे पुलिस ऑपरेशन के बाद बिहार के मुंगेर में सकुशल मिल गया। बच्चे के गायब होने के बाद दिल्ली पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों से लेकर तकनीकी निगरानी और स्थानीय खुफिया तंत्र तक का इस्तेमाल किया और अपहरण के सुराग का पीछा करते हुए बिहार तक पहुंच गई। पुलिस ने बच्चे को सुरक्षित बरामद कर उसके परिवार से मिलवा दिया। वेस्ट जिले के डीसीपी हरेश्वर स्वामी ने बताया कि मामला 27 अगस्त का है। जीजीएस अस्पताल में दवा लेने पहुंची मां का 3 साल का बेटा अस्पताल के पास खेलते-खेलते अचानक गायब हो गया। तलाश के बाद भी बच्चा नहीं मिला तो पुलिस को सूचना दी गई। ख्याला थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू हुई। जांच में अस्पताल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। फुटेज में एक महिला बच्चे को अपने साथ ले जाती दिखाई दी। पुलिस ने कैमरों की कड़ियां जोड़ते हुए महिला का पीछा किया, जो ई-रिक्शा से मादीपुर गांव की तरफ जाती दिखी। तकनीकी निगरानी और स्थानीय सूचना से महिला की पहचान हुई, लेकिन तब तक वह बिहार स्थित अपने गांव जा चुकी थी। इसके बाद पुलिस टीम मुंगेर बिहार पहुंची और दबिश देकर मासूम को सकुशल बरामद कर लिया। महिला को भी ट्रेस कर जांच में शामिल किया गया। पूछताछ में उसने बताया कि उसकी छह बेटियां हैं और चिकित्सकीय दिक्कतों के कारण वह दोबारा मां नहीं बन सकती थी। इसी वजह से उसने बच्चे को अपना बेटा बनाकर पालने के इरादे से अस्पताल से उठाया था। पूरे ऑपरेशन को वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में इंस्पेक्टर विनोद कुमार एसएचओ ख्याला की निगरानी में एएसआई देवेंद्र, हेड कांस्टेबल विजय, कांस्टेबल प्रीतम और कांस्टेबल संजू की टीम ने अंजाम दिया।

वर्दी को सलाम, विदाई की बेला में नम हुई आंखें, तीन पुलिसकर्मियों को दी भावभीनी विदाई

तरुण कुमार

नई दिल्ली। सालों तक वर्दी पहनकर दिल्ली की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी निभाने वाले तीन पुलिसकर्मियों के लिए मंगलवार को भावुक कर देने वाला पल आया। पूर्वी जिला पुलिस की ओर से कॉन्फ्रेंस हॉल में सेवानिवृत्ति समारोह आयोजित कर तीनों पुलिसकर्मियों को सम्मान के साथ विदाई दी गई। समारोह में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त प्रथम पूर्वी जिला श्रृष्टि पांडेय मौजूद रहीं। कार्यक्रम के दौरान पुलिसकर्मियों की वर्षों की मेहनत, कर्तव्यनिष्ठा अनुशासन और विभाग के प्रति समर्पण को याद किया गया। अधिकारियों ने कहा कि वर्दी की सेवा सिर्फ नौकरी नहीं बल्कि जिम्मेदारी और विश्वास का नाम है। सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। समारोह का माहौल उस वक्त भावुक हो गया, जब सहकर्मियों ने अपने साथ बिताए वर्षों की यादें साझा कीं। किसी ने उनके अनुभवों को याद किया तो किसी ने कठिन परिस्थितियों में निभाई गई ड्यूटी का जिक्र किया। विदाई के इन पलों में चेहरे पर मुस्कान और आंखों में भावनाएं साफ नजर आईं। पूर्वी जिला पुलिस टीम ने सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के लंबे सेवाकाल के लिए आभार जताते हुए उनके स्वस्थ, सुखी और खुशहाल भविष्य की कामना की। पुलिस परिवार ने कहा कि वर्दी उतर सकती है लेकिन सेवा और समर्पण की पहचान हमेशा कायम रहती है।

डीयू में शिक्षकों ने व्यवस्था पर साधा निशाना

तरुण कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय में शैक्षणिक माहौल, शिक्षकों की सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर दिल्ली विश्वविद्यालय अकादमिक फोरम (डीयूएएफ) ने डीयू शिक्षक संघ (डूटा) के सामने कई गंभीर मुद्दे रखे हैं। 31 अगस्त को वंदे मातरम हॉल में हुई आम सभा की बैठक से पहले फोरम ने इन मुद्दों पर ठोस चर्चा और कार्रवाई की मांग की है। डीयूएएफ के अध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र कुमार और उपाध्यक्ष डॉ. लता ने कैंपस में शिक्षकों कर्मचारियों और छात्रों के साथ हिंसा की घटनाओं पर ह्यजीरो टॉलरेंस की नीति लागू करने और हिंसा पर श्वेत पत्र तैयार करने की मांग की है। साथ ही 40 प्रतिशत ऑनलाइन शिक्षा के प्रावधान का विरोध करते हुए इसे सार्वजनिक उच्च शिक्षा के लिए खतरा बताया है। स्व-वित्तपोषित पाठ्यक्रमों को सार्वजनिक वित्त पोषित व्यवस्था में बदलने और कॉलेज परिसरों के व्यावसायिक इस्तेमाल पर रोक की मांग भी की गई है। डीयूएएफ ने ह्यनॉट फाउंड सूटेबल यानी उपयुक्त नहीं पाए गए अभ्यर्थियों की नीति पर भी सवाल उठाते हुए श्वेत पत्र जारी करने की मांग की। प्रधानाचार्य और प्रशासनिक अधिकारी के पदों पर 200-बिंदु आरक्षण रोस्टर लागू होने तक नियुक्ति प्रक्रिया रोकने की मांग की गई है। फोरम ने अतिथि शिक्षकों की जगह स्थायी नियुक्ति होने तक तदर्थ नियुक्ति व्यवस्था बहाल करने, भर्ती नियमों में पारदर्शिता लाने तथा चयन प्रक्रिया के मूल्यांकन को सार्वजनिक करने की मांग रखी है। साथ ही पेयजल, स्वच्छता, रियायती कैंटीन और शिक्षकों के लिए बेहतर कक्ष जैसी बुनियादी सुविधाओं को तत्काल सुधारने पर जोर दिया गया।

बदरी-केदार यात्रा का दूसरा चरण 15 सितंबर से शुरू, तैयारियों में जुटी बीकेटीसी, 40 लाख तक पंजीकरण

देहरादून। श्री बदरीनाथ एवं श्री केदारनाथ धाम की यात्रा के दूसरे चरण को लेकर बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने तैयारियां तेज कर दी हैं। वरिष्ठ भाजपा नेता बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि श्री बदरीनाथ तथा श्री केदारनाथ धाम सहित उत्तराखंड चारधाम यात्रा बरसात के बावजूद निरंतर चल रही है सड़क यातायात सुचारू है। बीकेटीसी अध्यक्ष ने कहा कि सितंबर दूसरे सप्ताह से यात्रा के दूसरे चरण में श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए मंदिर समिति स्तर पर आवश्यक व्यवस्थाओं को समय से पूरा किया जा रहा है इस संबंध मेंअधिकारियों को निर्देशित किया गया है। बताया कि 31 अगस्त 2026 तक श्री बदरीनाथ धाम में 16,78,008 तथा श्री केदारनाथ धाम में 14,73,325 तीर्थयात्री दर्शन कर चुके हैं। इस प्रकार दोनों धामों में अब तक कुल 31,51,333 तीर्थयात्री पहुंच चुके हैं।वहीं, 31 अगस्त तक यात्रा के लिए श्री बदरीनाथ धाम हेतु 18,82,199 तथा श्री केदारनाथ धाम हेतु 20,45,644 यात्रियों ने पंजीकरण कराया है। दोनों धामों को मिलाकर कुल 39,27,843 पंजीकरण हो चुके हैं। बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि बदरीनाथ और केदारनाथ धाम की यात्रा के प्रति देशभर के श्रद्धालुओं में निरंतर उत्साह बना हुआ है। यात्रा के दूसरे चरण में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के धाम पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए बीकेटीसी द्वारा मंदिर परिसरों, दर्शन व्यवस्था, स्वच्छता, पेयजल, विद्युत, आवासीय, एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुगम दर्शन बीकेटीसी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को यात्रा के दूसरे चरण के लिए व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। हेमंत द्विवेदी ने देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं से अपील की कि वे यात्रा के दौरान प्रशासन , मौसम विभाग एवं बीकेटीसी द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का पालन करें और सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यात्रा में सहयोग प्रदान करें।

देहरादून में भारत गौरव अवार्ड समारोह, विभिन्न क्षेत्रों की 15 हस्तियों को मिला भारत गौरव पुरस्कार

देहरादून। किसी व्यक्ति की उपलब्धि केवल उसकी व्यक्तिगत सफलता तक सीमित नहीं होती। जब किसी की प्रतिभा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाती है और राष्ट्र की प्रगति में योगदान देती है, तो वह उपलब्धि पूरे देश की उपलब्धि बन जाती है। प्रतिभाओं का सम्मान समाज में बेहतर और उत्कृष्ट कार्य करने की संस्कृति को मजबूत करता है। ये बातें राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने राजपुर रोड स्थित एक होटल में आयोजित भारत गौरव पुरस्कारझ2026 सम्मान समारोह में कही। सोमवार को भारत गौरव अवार्ड फाउंडेशन की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में राज्यपाल ने देशभर से विभिन्न क्षेत्रों की 22 हस्तियों को सम्मानित किया गया। इसमें 15 को भारत गौरव सम्मान और चार को भारत युवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही भानु प्रकाश रेड्डी, टीटीडी सदस्य, आंध्र प्रदेश सरकार और पूर्व प्रधान वन संरक्षक समीर सिन्हा और राष्ट्रीय सैनिक संस्था के चेयरमैन तेजेंद्र पाल त्यागी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा गया। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने कहा कि सम्मान उपलब्धियों की स्वीकृति के साथ भविष्य में और बेहतर करने की जिम्मेदारी भी है। सफलता के पीछे अनुशासन, निरंतर परिश्रम और चुनौतियों के बीच लक्ष्य पर टिके रहने का संकल्प महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का निर्माण केवल संसाधनों से नहीं, बल्कि प्रतिभाशाली, जिम्मेदार और चरित्रवान नागरिकों से होगा। देश की प्रतिभाओं को अपनी क्षमता और उपलब्धियों को समाज और राष्ट्र की प्रगति से जोड़ते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान देना होगा। राज्यपाल ने कहा कि उपलब्धियों की वास्तविक सार्थकता तब और बढ़ जाती है, जब उनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि आज महिलाओं और बेटियों की बढ़ती भागीदारी सशक्त और आत्मनिर्भर भारत की तस्वीर प्रस्तुत कर रही है। फाउंडेशन के कार्यकारी अध्यक्ष डा. संदेश यादव ने कहा कि भारत गौरव पुरस्कार का उद्देश्य देश के उन लोगों को पहचान देना है, जो बिना किसी दिखावे के अपने क्षेत्र में निरंतर बेहतर कार्य कर रहे हैं। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा, अंजनी कुमार, आकाश पांडे आदि मौजूद रहे। जीवनभर उत्तरदायित्व का अहसास कराता है पुरस्कार समारोह में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि पुरस्कार केवल सम्मान नहीं होता, समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत भी होता है। राज्यसभा सांसद नरेश बंसल ने कहा कि पुरस्कार केवल पुरस्कार नहीं होता, वो जीवन भर उत्तरदायित्व का अहसास करता है। सम्मान जीवन की अंतिम सांस तक समाज के लिए कार्य करने की प्रेरणा देता है। इस दौरान कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी और राज्यसभा सांसद नरेश बंसल को भी सम्मानित किया गया।

बागेश्वर में ऑरेंज अलर्ट, भारी बारिश के कारण स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र बंद

बागेश्वर। भारत मौसम विज्ञान विभाग, देहरादून द्वारा जारी मौसम पूवार्नुमान के अनुसार, दो सितंबर को बागेश्वर जिले में भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना है। गर्जन के साथ आकाशीय बिजली चमकने और वर्षा के अति तीव्र से अत्यंत तीव्र दौर की आशंका को देखते हुए आरेंज अलर्ट जारी किया गया है। छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, जिला मजिस्ट्रेट एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अध्यक्ष अपूर्वा पांडे ने दो सितंबर को कक्षा एक से 12वीं तक के सभी शासकीय, अशासकीय एवं निजी विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश घोषित किया है। डीएम ने मुख्य शिक्षा अधिकारी और जिला कार्यक्रम अधिकारी को आदेश का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उल्लंघन की स्थिति में संबंधित के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री धामी की संवेदनशीलता: टिक्की विक्रेता के बीमार बेटे का इलाज अब सरकार के खर्च पर

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की संवेदनशील पहल से लोहियाहेड निवासी रवि शर्मा के आठ वर्षीय पुत्र देव के उपचार की राह आसान हुई है। मुख्यमंत्री ने बच्चे के समुचित उपचार के लिए आवश्यक सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा इलाज में आने वाले खर्च को वहन करने के निर्देश दिए हैं। गत दिवस मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लोहियाहेड में स्थानीय व्यवसायी रवि शर्मा की दुकान पर पहुंचे थे और वहां उन्होंने टिक्की खाई थी। इस दौरान रवि शर्मा ने मुख्यमंत्री को अपने 8 वर्षीय पुत्र देव की बीमारी के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि उनका बेटा बचपन से ही गंभीर स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहा है और उसके हाथ-पैर काम नहीं करते हैं। बच्चे का लंबे समय से उपचार कराया जा रहा है तथा देहरादून स्थित इंद्रेश अस्पताल में भी उसका उपचार कराया गया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर सोमवार देर सायं जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एसके गोस्वामी, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शासनी तथा उपजिलाधिकारी तुषार सैनी सहित चिकित्सकों की टीम रवि शर्मा के लोहियाहेड स्थित आवास पहुंची। इस दौरान ऑर्थो विशेषज्ञ चिकित्साधिकारी डॉ. एच.एस. ऐरी एवं मुख्य चिकित्साधिकारी ने बच्चे का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा उसके पूर्व में कराए गए उपचार और मेडिकल हिस्ट्री की जानकारी ली। बच्चे की वर्तमान स्थिति एवं पूर्व उपचार की जानकारी लेने के बाद चिकित्सकों ने आगे के उपचार के लिए सर्वप्रथम एमआरआई जांच कराने की सलाह दी। इसके बाद जांच रिपोर्ट के आधार पर उपचार की आगामी प्रक्रिया निर्धारित की जाएगी। जिलाधिकारी ने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बच्चे की एमआरआई जांच तत्काल कराई जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चे और उसके अभिभावकों को जिला चिकित्सालय तक ले जाने के लिए प्रशासन की ओर से वाहन एवं आवश्यक सहायक उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि बच्चे के बेहतर उपचार के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे और उपचार में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की इस संवेदनशील पहल से बच्चे के परिवार को बेहतर उपचार की उम्मीद जगी है। परिवार ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए उनकी इस मानवीय पहल के लिए धन्यवाद दिया।

बनबसा में सीएम धामी ने किया शहीद स्मारक और विशाल तिरंगे का लोकार्पण

देहरादून। भारत-नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा बनबसा में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने निर्धारित कार्यक्रम के तहत सैनिक स्मारक एवं झंडा पार्क का विधिवत पूजा-अर्चना के साथ लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। एसएसबी जवानों द्वारा बिगुल वादन के बीच मुख्यमंत्री सहित उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन धारण कर देश की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीदों को नमन किया। कार्यक्रम के दौरान नेपाल-भारत सीमा के इस प्रमुख सीमांत क्षेत्र में नवनिर्मित शहीद स्मारक का लोकार्पण किया गया तथा विशाल राष्ट्रध्वज तिरंगा फहराया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सीमांत क्षेत्र में शहीद स्मारक और विशाल तिरंगे का लोकार्पण अत्यंत गौरव एवं सम्मान का क्षण है। यह स्मारक देश की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर सैनिकों के अदम्य साहस, त्याग और बलिदान की स्मृतियों को सदैव जीवंत रखेगा। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि पूर्व में देश के अंतिम गांव या अंतिम क्षेत्र के रूप में देखे जाने वाले सीमावर्ती क्षेत्रों को अब देश के ह्यपहले क्षेत्रह्ल के रूप में पहचान दी जा रही है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश के सैनिकों, उनके परिवारों के कल्याण तथा वीर शहीदों की स्मृतियों को सम्मान देने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं स्वयं एक सैनिक का पुत्र हूं। इसलिए सैनिकों के सम्मान से जुड़े इस पावन कार्य में सहभागी बनना मेरे लिए अत्यंत भावुक और गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि यह शहीद स्मारक आने वाली पीढ़ियों को सदैव यह प्रेरणा देता रहेगा कि हमारे वीर जवान किन विषम और कठिन परिस्थितियों में देश की सीमाओं की रक्षा के लिए डटे रहते हैं। उन्होंने कहा कि यह स्मारक युवाओं को देश सेवा, त्याग और समर्पण के लिए निरंतर प्रेरित करेगा। उत्तराखंड की सैन्य परंपरा का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड वीर सैनिकों की भूमि है। प्रदेश के लगभग हर परिवार का किसी न किसी रूप में सेना अथवा अर्धसैनिक बलों से जुड़ाव रहा है और यहां के वीर जवान राष्ट्र की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। वीर नारियों एवं वीरता पदक विजेता सम्मानित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने वीर नारियों एवं वीरता पदक विजेता को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। उन्होंने वीर नारी सरस्वती देवी, पत्नी स्व. सिपाही उत्तम चन्द; लक्ष्मी देवी, पत्नी स्व. हवलदार किशन सिंह; कमला देवी, पत्नी स्व. गार्डसमैन दुर्गादत्त; खीमा देवी, पत्नी स्व. नायक हयात सिंह; माया चन्द, पत्नी स्व. सिपाही ललित मोहन; सरस्वती देवी, पत्नी स्व. ला. ना. जय बहादुर चन्द; ललिता चन्द, पत्नी स्व. सिपाही प्रेम चन्द; गीता देवी, पत्नी स्व. नायक जगदीश सिंह तथा पिंकी रैसवाल, पत्नी स्व. सिपाही राहुल रैसवाल को सम्मानित किया। इसके साथ ही वीर माता लक्ष्मी देवी, माता स्व. नायक खीम सिंह तथा वीरता पदक विजेता सूबेदार गोपाल दत्त शर्मा (सेना मेडल) को भी मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया।

अल्मोड़ा में बड़ा हादसा: धार की तुनी क्षेत्र में दीवार गिरने से दो नेपाली मजदूरों की मौत, हवालबाग में भी तीन गंवा चुके हैं जान

अल्मोड़ा। धार की तुनी क्षेत्र में मंगलवार को निर्माण कार्य के दौरान अचानक एक दीवार भरभराकर गिर गई।

हादसे में दीवार के मलबे के नीचे दबने से दो नेपाली मजदूरों की दर्दनाक मौत हो चुकी है। घटना के बाद से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया और स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन और राज्य आपदा मोचन बल (**SDRF**) की टीम आवश्यक उपकरणों के साथ तत्काल मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। हालांकि, मलबे में दबे दोनों मजदूरों को बचाया नहीं जा सका और उनकी मृत्यु की पुष्टि हो गई है। गौरतलब है कि इससे पूर्व हवालबाग ब्लॉक में भी मलबे में दबने की घटना में तीन लोगों की मौत हो चुकी है। आपदा प्रबंधन अधिकारी विनीत पाल ने बताया कि घटनास्थल पर स्थिति का जायजा लिया जा रहा है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। राहत-बचाव दल आगे की कागजी व विधिक कार्रवाई में जुटा हुआ है।

राधा उपाध्याय बनीं ओवरआल तीज क्वीन, देहरादून तीज महोत्सव में महिलाओं ने बिखेरे लोक संस्कृति के रंग

देहरादून। लाडपुर-तपोवन रोड स्थित ब्लाक सभागार में आयोजित तीज महोत्सव में महिलाओं ने लोक संस्कृति का संदेश देते हुए गीत और नृत्य की प्रस्तुति से रंग जमाया। लोकगायिका पूनम सती के गीतों पर महिलाएं झूम उठीं। राधा उपाध्याय ने ओवरआल तीज क्वीन का खिताब जीता। महोत्सव में लोक नृत्य, कथक, योग और फिल्मी गीतों की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। तीज के रंग में सजी महिलाओं ने रैंप वाक के साथ सावन के गीतों पर नृत्य प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरीं। इस दौरान तीज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। 40 से कम आयुवर्ग में राधिका बड़थ्वाल प्रथम, मीनाक्षी सेमवाल द्वितीय, जबकि सोनिया तृतीय रहीं। 40 से अधिक आयुवर्ग में अलकनंदा सेमवाल बहुगुणा प्रथम, मोनिका द्वितीय, जबकि भावना ने तृतीय स्थान हासिल किया। मुख्य अतिथि रायपुर विधायक उमेश शर्मा काऊ, विशिष्ट अतिथि महापौर सौरभ थपलियाल व महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल ने विजेताओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम के संयोजक पूर्व पार्षद कविंद्र सेमवाल ने कहा कि इस तरह के आयोजन आगे भी किए जाएंगे। इस मौके पर पार्षद अभिषेक पंत, कपिल धर, विजय लक्ष्मी, पूजा नेगी, प्रशांत डोभाल, रायपुर मंडल अध्यक्ष उज्ज्वल नेगी, पूर्व अध्यक्ष रुद्रेश शर्मा, राकेश थपलियाल आदि मौजूद रहे।

खटीमा गोलीकांड के शहीद आंदोलनकारियों को सीएम धामी ने दी श्रद्धांजलि, बलिदान को किया याद

नरेश मनोचा

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को खटीमा में उत्तराखण्ड राज्य आंदोलन के दौरान शहीद हुए आंदोलनकारियों की स्मृति में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने खटीमा गोलीकांड के शहीद राज्य आंदोलनकारियों की प्रतिमाओं पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शहीद राज्य आंदोलनकारियों के परिजनों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन उत्तराखण्ड राज्य आंदोलन के दौरान खटीमा गोलीकांड में अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर बलिदानियों भगवान सिंह सिरौला, प्रताप सिंह, रामपाल, सलीम अहमद, गोपीचंद, धर्मानन्द भट्ट और परमजीत सिंह को स्मरण करने का दिन है। उत्तराखण्ड का प्रत्येक नागरिक इन वीर सपूतों के बलिदान का सदैव ऋणी रहेगा। राज्य आंदोलन से जुड़े अपने अनुभवों को स्मरण करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि खटीमा गोलीकांड ने पृथक उत्तराखण्ड राज्य के लिए चल रहे आंदोलन को नई दिशा दी और लोगों को अपने अधिकारों की लड़ाई को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। हम सभी मिलकर राज्य आंदोलनकारियों के सपनों के अनुरूप उत्तराखण्ड का निर्माण करें, यही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि खटीमा की धरती राज्य आंदोलन की तपोभूमि है। यदि इसे उत्तराखण्ड राज्य आंदोलन की जननी कहा जाए तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। राज्य निर्माण के संघर्ष को स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि खटीमा, मसूरी और रामपुर तिराहा जैसी घटनाओं में राज्य आंदोलनकारियों ने अपने रक्त से उत्तराखण्ड का इतिहास लिखा है। यह राज्य हमें आसानी से या उपहार स्वरूप नहीं मिला, बल्कि इसके पीछे अनगिनत राज्य आंदोलनकारियों का संघर्ष, त्याग और बलिदान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार राज्य आंदोलनकारियों के आदर्शों और उनके सपनों को साकार करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य आंदोलनकारियों और उनके आश्रितों को राज्य सरकार की नौकरियों में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा ह्लउत्तराखण्ड राज्य आन्दोलन के चिन्हित आन्दोलनकारियों या उनके आश्रितों को राजकीय सेवा में आरक्षण अधिनियम, 2023 लागू किया गया है। इस अधिनियम के अंतर्गत पात्र राज्य आंदोलनकारियों एवं उनके आश्रितों को राजकीय सेवाओं में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण का लाभ दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीद राज्य आंदोलनकारियों के आश्रितों की मासिक पेंशन 3 हजार रुपये से बढ़ाकर 5500 रुपये की गई है। राज्य आंदोलन के दौरान घायल एवं जेल गए आंदोलनकारियों को 7 हजार रुपये तथा सक्रिय आंदोलनकारियों को 5500 रुपये प्रतिमाह पेंशन दी जा रही है। चिह्नित राज्य आंदोलनकारियों को पहचान पत्र जारी करने के साथ ही उन्हें सरकारी बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य आंदोलन में नारी शक्ति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। मातृशक्ति ने पृथक राज्य के निर्माण के लिए हुए आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लिया। राज्य निर्माण में मातृशक्ति के योगदान को देखते हुए राज्य सरकार ने प्रदेश की महिलाओं के लिए सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण लागू किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के समग्र विकास और राज्यहित में अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। उत्तराखण्ड देश का पहला राज्य है, जहां समान नागरिक संहिता लागू की गई है। युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया है। पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से पिछले पांच वर्षों में 34 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां प्रदान की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार देवभूमि उत्तराखण्ड के सांस्कृतिक मूल्यों और मूल स्वरूप की रक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। प्रदेश में सख्त धर्मांतरण विरोधी और दंगारोधी कानून लागू किए गए हैं। अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध चलाए गए अभियान के तहत 13 हजार एकड़ से अधिक सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है। कार्यक्रम को सांसद अजय भट्ट, विधायक खटीमा भुवन कापड़ी एवं विधायक नानकमत्ता श्री गोपाल सिंह राणा ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर सांसद अजय भट्ट, जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, विधायक खटीमा भुवन कापड़ी, विधायक नानकमत्ता गोपाल सिंह राणा, विधायक रुद्रपुर शिव अरोरा, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद जोशी, दजार्धारी राज्य मंत्री सुभाष बरथवाल, डॉ. अनिल कपूर डब्बू, किशन सिंह किन्ना, गंभीर सिंह धामी, हुकम सिंह कुंवर, रणजीत सिंह नामधारी, मोहिनी पोखरिया, मोहन पाठक, ब्लॉक प्रमुख सरिता राणा, पूर्व विधायक डॉ. प्रेम सिंह राणा, दान सिंह रावत, नंदन सिंह खड़ायत, भगवान जोशी, जीवन सिंह धामी, अमित पांडे, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति, उपाध्यक्ष जिला विकास प्राधिकरण जय किशन, अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्रा, उपजिलाधिकारी तुषार सैनी, गौरव पांडे सहित अनेक जनप्रतिनिधि, राज्य आंदोलनकारी एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे।

किसान हित, संगठन विस्तार और कार्यकर्ताओं का सम्मान रहेगा सर्वोच्च प्राथमिकता : महेश चौहान

भाजपा गुरुग्राम ने किसान मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष का किया भव्य स्वागत-अभिनंदन

अजय शर्मा

गुड़गांव, 31 अगस्त। भारतीय जनता पार्टी हरियाणा किसान मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष महेश चौहान का भाजपा गुरुग्राम जिला कार्यालय गुरु कमल में भाजपा गुरुग्राम जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी के नेतृत्व एवं किसान मोर्चा गुरुग्राम जिलाध्यक्ष प्रदीप गुर्जर के संयोजन में भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर सैंकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्साह और उमंग के साथ नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष का जोरदार स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारों के साथ महेश चौहान का अभिनंदन किया, जिससे पूरा कार्यालय परिसर भाजपा के जयघोष से गूंज उठा।

भाजपा कार्यकर्ताओं के अपार जोश, उत्साह और आत्मीयता को देखकर महेश चौहान भावुक एवं अभिभूत नजर आए। उन्होंने भाजपा गुरुग्राम जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रदीप गुर्जर तथा जिला संगठन के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम के कार्यकर्ताओं ने जिस आत्मीयता और उत्साह के साथ उनका स्वागत किया है, वह उनके लिए केवल सम्मान नहीं बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी और प्रेरणा भी है।

स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए भाजपा गुरुग्राम जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने महेश चौहान को हरियाणा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भाजपा ऐसा संगठन है जहां समर्पित और कर्मठ कार्यकर्ताओं को निरंतर नई जिम्मेदारियां देकर संगठन को आगे बढ़ाया जाता है। महेश चौहान का अनुभव, सक्रियता और संगठन के प्रति समर्पण निश्चित रूप से किसान मोर्चा को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करेगा। किसान मोर्चा के पदाधिकारियों ने उन्हें कृषि कार्य में उपयोग होने वाली फावली तथा बाजरे की बाल का बुके भेंट कर आत्मीय अभिनंदन किया। यह सम्मान किसानों, खेत और कृषि संस्कृति के प्रति सम्मान का प्रतीक रहा।

महेश चौहान ने अपने अभिनंदन एवं स्वागत के लिए भाजपा संगठन परिवार का धन्यवाद किया। संबोधित करते हुए महेश चौहान ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, वह उनके लिए गौरव के साथ-साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। वे किसान मोर्चा संगठन के सभी साथियों और भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर इस दायित्व को पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाएंगे।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने किसानों के हित में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार भी किसान कल्याण को प्राथमिकता देते हुए निरंतर कार्य कर रही है। किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि सरकार की किसान हितैषी योजनाओं और नीतियों की जानकारी प्रत्येक पात्र किसान तक पहुंचे, ताकि अधिक से अधिक किसान उनका लाभ उठा सकें।

गुरुग्राम किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रदीप गुर्जर ने किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष महेश चौहान के स्वागत समारोह में पंहुचने पर भाजपा संगठन परिवार के सभी साथियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में गुरुग्राम किसान मोर्चा किसान कल्याण एवं संगठन विस्तार में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

इस स्वागत समारोह में जिला महामंत्री अजीत यादव, किसान मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष बेगराज यादव, सुमित हुड्डा, प्रदेश महामंत्री सुनील वत्स, किसान मोर्चा प्रदेश मीडिया प्रभारी विजय यादव, गुरुग्राम जिला प्रभारी वीरेंद्र शर्मा, किसान मोर्चा जिला महामंत्री अजीत यादव, विजय परमार, अनिल गंडास, रविन्द्र खटाना, पकंज यादव, रोबिन राव, अनूप खटाणा, राजपूत महासभा के अध्यक्ष अरुण चौहान एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहें।

देश के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर एफआईआर के विरोध में कांग्रेस ने किया रोष प्रदर्शन

गुड़गांव, 31 अगस्त। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी गुरुग्राम (शहरी एवं ग्रामीण) द्वारा सोमवार शाम को जोरदार रोष प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन कमान सराय स्थित कांग्रेस कार्यालय से शुरू होकर शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए गुजरा। प्रदर्शन का नेतृत्व गुडग़ांव जिला शहरी अध्यक्ष पंकज डावर व ग्रामीण जिला अध्यक्ष वर्धन यादव ने किया।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। हाथों में तख्तियां और राहुल गांधी के समर्थन में नारे लगाते हुए कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह एफआईआर राजनीतिक द्वेष से प्रेरित है और विपक्ष की आवाज को दबाने की साजिश है। इस मौके पर बड़ी संख्या में कांग्रेस के सेंकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिला अध्यक्ष (शहरी) पंकज डावर ने कहा कि आज देश में लोकतंत्र खतरे में है। राहुल गांधी जी गरीब, किसान, मजदूर और युवाओं की आवाज उठा रहे हैं, इसलिए भाजपा उन्हें एफआईआर से डराना चाहती है। भाजपा यह समझ ले, कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता राहुल गांधी के साथ खड़ा है। यह एफआईआर नहीं, भाजपा की डर की निशानी है।

जब-जब राहुल गांधी ने सच बोला है, तब-तब सरकार ने जांच एजेंसियों और एफआईआर का सहारा लिया है, लेकिन हम झुकने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में भी कांग्रेस पूरी ताकत से सडक़ों पर उतरेगी और इस तानाशाही के खिलाफ लड़ाई लड़ेगी। कांग्रेस के बढ़ते ग्राफ और अपने गिरते विश्वास से भाजपा में डर का माहौल पैदा हो गया है। उन्होंने ने कहा कि जनता में भाजपा सरकार के प्रति आक्रोष है। उस आक्रोष को नजरअंदाज करने के लिए भाजपा हमेशा से ही नए-नए पैंतरे आजमाती है। उन्होंने कहा कि देश में उठी आक्रोष की चिंगारी अब भाजपा के खात्मे के साथ ही शांत होगी। पंकज डावर ने कहा कि भाजपा सरकार विपक्ष की आवाज को बंद करने के लिए एफआईआर का हथियार इस्तेमाल कर रही है। राहुल गांधी जी ने हमेशा सच की बात की है।

तानाशाही के खिलाफ यह लड़ाई मजबूती से लड़ी जाएगी: वर्धन यादव

ग्रामीण जिला अध्यक्ष वर्धन यादव ने कहा कि यह सिर्फ राहुल गांधी जी पर एफआईआर नहीं है, यह देश के लोकतंत्र पर हमला है। कांग्रेस का कार्यकर्ता डरने वाला नहीं है। हमारे नेता ने भारत जोड़ो यात्रा से देश को जोड़ा है, और भाजपा तोड़पे का काम कर रही है। तानाशाही के खिलाफ इस लड़ाई को हम मजबूती से लड़ेंगे। आज का यह रोष प्रदर्शन सिर्फ शुरुआत है।

अगर यह एफआईआर वापस नहीं हुई तो हम पूरे जिले में बड़े आंदोलन करेंगे। उन्होंने अडानी, बेरोजगारी, महंगाई और चीन जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरा, तो सरकार ने उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया। गुरुग्राम की जनता यह सब देख रही है। आज कमान सराय से जो आवाज उठी है, वह हर गांव-गली तक जाएगी। हम इस लड़ाई को हर बूथ तक ले जाएंगे। डावर ने कहा कि भाजपा अपने ही पार्षद के आरोपों पर चुप है, लेकिन नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तुरंत एफआईआर कर दी जाती है। यह दोहरा चरित्र है।

कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने यह मुकदमा वापस नहीं लिया तो कांग्रेस पूरे हरियाणा में उग्र आंदोलन करेगी। इस अवसर पर यूथ कांग्रेस हरियाणा अध्यक्ष निशित कटारिया, सुनीता सहरावत, सूबे सिंह यादव, सीमा पाहुजा, सीमा हुड्डा, कुलराज कटारिया, कुलदीप गुज्जर, राजेश यादव बादशाहपुर, शाहीन शम्स, सतबीर पहलवान, सुखबीर तंवर, सुनील यादव, शैलेश खटाना, अशोक उल्लावास, अमित कोचर, राजपाल यादव, भोले गुज्जर, नरेश वशिष्ठ, शहजाद खान, जयपाल धनकर, दीपक दहिया, महावीर कन्हई, राजकुमार, राजकुमार यादव, संजय भारद्वाज, राकेश यादव, विवेक कटारिया, योगेश यादव, हरिंदर सहरावत, राजीव यादव, दीपेश कौशिक, पंकज मेहंदीरता, राहुल ज़ैलदार, रमाकांत शर्मा, तपन दास समेत अनेक लोग मौजूद थे।

रामपुरा में बनेगा भव्य स्वागत द्वार, मेयर ने किया शिलान्यास

गुड़गांव, 31 अगस्त। नगर निगम मानेसर की मेयर डॉ इंद्रजीत कौर यादव ने वार्ड-18 के गांव रामपुरा में निगम की ओर से बनाए जाने वाले मुख्य स्वागत द्वार का विधिवत शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सभी गांवों में मुख्य स्वागत द्वार बनाए जाएंगे। इन द्वारों से गांवों की पहचान को नया स्वरूप मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान पार्षद प्रवेश यादव व ग्रामीणों ने मेयर का स्वागत किया और गांव में करवाए जा रहे विकास कार्यों को लेकर उनका आभार व्यक्त किया।

मेयर डॉ इंद्रजीत कौर यादव ने कहा कि गांव हमारी पहचान और संस्कृति की आधारशिला है। नगर निगम क्षेत्र में शामिल सभी गांवों के विकास और सौंदर्यीकरण पर निगम की ओर से लगातार कार्य किया जा रहा है। स्वागत द्वार केवल गांव के प्रवेश का प्रतीक नहीं होंगे, बल्कि इनके माध्यम से प्रत्येक गांव की अलग पहचान भी मिलेगी। निगम की योजना है कि सभी गांवों में एक समान रूप से आकर्षक और मजबूत मुख्य द्वार तैयार किए जाएं। उन्होंने कहा कि निगम बनने के बाद गांवों में विकास कार्यों की गति बढ़ी है और निगम का प्रयास है कि शहरों की तर्ज पर गांवों में भी बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो। सड़क, पेयजल, सीवर, जल निकासी, स्ट्रीट लाइट, सफाई और पार्कों सहित विभिन्न विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर करवाया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से भी विकास कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने में सहयोग देने की अपील की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वागत द्वार का निर्माण निर्धारित मापदंडों के अनुसार गुणवत्तापूर्ण तरीके से करवाया जाए और कार्य को तय समय सीमा में पूरा किया जाए। इस दौरान ग्रामीणों ने गांव में अन्य आवश्यक विकास कार्यों से संबंधित मांगे भी मेयर के समक्ष रखी। मेयर ने संबंधित अधिकारियों से इन मांगों की जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

मन की बात में फिर नंबर-1 बना दादरी भाजपा जिला, कार्यकर्ताओं का हुआ सम्मान

चरखी दादरी, 31 अगस्त। भारतीय जनता पार्टी जिला चरखी दादरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात के सफल आयोजन और सरल ऐप पर शत-प्रतिशत फोटो अपलोड कर प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है। इस उपलबधि पर नवनियुक्त जिलाध्यक्ष एडवोकेट राष्ट्रदीप परमार ने कमलम कार्यालय में कार्यकर्ताओं को मिठाई खिलाकर सम्मानित किया।

जिलाध्यक्ष राष्ट्रदीप परमार ने कहा कि यह सफलता संगठन की एकजुटता, अनुशासन और बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों, आईटी व सोशल मीडिया टीम, मोर्चों के पदाधिकारियों और बूथ अध्यक्षों को बधाई देते हुए कहा कि समयबद्ध रिपोर्टिंग और सामूहिक प्रयास ने दादरी को लगातार प्रदेश में अग्रणी बनाया है। इस मौके पर जगदीश राय फौगाट, रवि गर्ग, केदारनाथ सरोहा, भुनेश गोयल, नवीन काकड़ोली, लीलाराम हिंदुस्तानी, ममता शर्मा, धर्मचंद, अमरदीप धारीवाल, मास्टर हरीश शर्मा, सूर्यदीप व सुंदरपाल रावलधी सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा मंत्री द्वारा गोद लिए गांव 'सीही' की हो रही है दुर्गति : सुमित गौड़

फरीदाबाद, 31 अगस्त। फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव सीही के लोग इन दिनों नारकीय जीवन जीने को मजबूर हो रहे है, गंदे पानी और बारिश के पानी की निकासी न होने के कारण लोगों का जन जीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। स्थानीय लोगों की शिकायत पर रविवार को हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता सुमित गौड़ ने सीही गांव के शिव मंदिर मोरा चौक पहुंचकर लोगों का दुखड़ा सुना और वास्तविक स्थिति देखकर भाजपा सरकार को जमकर लताड़ा।

इस दौरान श्री गौड़ ने कहा कि यह वह ऐतिहासिक गांव है, जिसे भाजपा के मंत्रियों ने गोद लिया हुआ है, जब इस गांव की ऐसी दुर्गति हो रही है तो पूरे शहर में क्या विकास किया जा रहा है? इसका सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। पिछले पांच दिनों से फरीदाबाद में बारिश की एक बूंद तक नहीं पड़ी, इसके बावजूद गांव सीही में गंदा पानी ज्यों का त्यों खड़ा हुआ है, इस गंदे पानी के कारण मक्खी-मच्छर पनप रहे हैं, जिससे लोग विभिन्न प्रकार की बीमारियों की चपेट में आ रहे है परंतु अभी तक भाजपा के किसी मंत्री ने यहां आने की जेहमत तक नहीं उठाई। श्री गौड़ ने कहा कि यह बाबा सूरदास की ऐतिहासिक जन्मस्थली है और शहर के तीन सेक्टरों के बराबर यहां लोग रहते है, जिन्होंने केंद्र, प्रदेश और नगर निगम में भाजपा की सरकार बनाने में अहम भूमिका निभाई थी और आज यह लोग भाजपा को सत्ता सौंप अपने आपको ठगा सा महसूस कर रहे है। उन्होंने कहा कि जब भाजपा के मंत्रियों और प्रशासन ने इन लोगों का दुखड़ा सुनना बंद कर दिया तो इन्होंने 'गांव सीही' नाम से सोशल मीडिया पर पेज बनाकर उसके माध्यम से गांव की समस्याओं को उठाना शुरु कर दिया है ताकि भाजपाईयों को सच्चाई का आइना दिखाया जा सके।

इस दौरान उपस्थित महिला-पुरुषों ने आक्रोश स्वरुप भाजपा सरकार मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए अपना गुस्सा जाहिर किया। स्थानीय लोगों ने कहा कि उन्होंने गांव में भाजपा नेताओं की एंट्री बंद कर दी है और यह संकल्प लिया है कि आने वाले समय में उन्हें वोट की चोट से सत्ता से बेदखल करने का काम करेंगे। सुमित गौड़ ने गांव के लोगों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि वह अपने सामर्थ्य के अनुसार उनकी समस्याओं की आवाज सरकार व प्रशासन के समक्ष उठाएंगे और जरुरत पड़ी तो उनके हकों के लिए धरना-प्रदर्शन करने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

सडक सुरक्षा को लेकर प्रश्नोतरी प्रतियोगिता आयोजित, रोहन में मारी बाजी

रोहतक, 31 अगस्त। वैश्य महाविद्यालय में सडक़सुरक्षा जागरूकता को लेकर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें दो सौ छात्रों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. फूल सिंह ने कहा कि सडक़सुरक्षा के नियमों का पालन करना हम सबके लिए अत्यंत आवश्यक है। साथ ही उन्होंने कहा कि हमारा जीवन बहुत कीमती है और हमें इसकी सुरक्षा का पूर्णतया ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का पालन कर हम अपने आप व दूसरों को भी सुरक्षित रख सकते है। इस अवसर पर प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में रोहन ने प्रथम, शिभांशु ने दूसरा व हर्ष ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया। इस अवसर पर गीता गुप्ता, डॉ मोनिका, डॉ राजल, डॉ उन्मेष मिश्र, विनीत बाला, पिंकी यादव, अंजू सिंगला, प्रतिभा, रितु, मनीषा, वीरेंद्र खुराना, मनोज गर्ग, सविता, अनीता, अलका, सोनल, हिमांशु व रंजिता का विशेष सहयोग रहा।

पानीपत जिला की मंडियों के प्रधान एवं आढती विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपेगे 7 सितंबर को : धर्मबीर मलिक

पानीपत, 31 अगस्त। हरियाणा अनाज मंडी आढ़ती एसोसिएशन के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एसोसिएशन के पानीपत जिला प्रधान धर्मबीर मलिक ने सोमवार को पानीपत अनाज मंडी में आढतियों के साथ मीटिंग की। जिसमें धर्मबीर मलिक ने रविवार को सोनीपत के अग्रवाल भवन में हुई आढती एसोसिएशन की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में लिये गये फैसलों की जानकारी दी गई। मलिक ने कहा कि आढती एसोसिएशन की राज्य कार्यकारिणी के निर्देशानुसार पानीपत जिला की सभी अनाज मंडियों के प्रधान एवं पदाधिकारी और सभी आढती 7 सितंबर को आढतियों की बकाया आढत देने सहित अन्य मांगों को लेकर जिला मुख्यालय पर एकत्रित होकर ज्ञापन सौंपेंगे। उसके उपरांत भी सरकार ने आढतियों की मांगों का समाधान नहीं किया तो 14 सितंबर को एसोसिएशन की राज्य कार्यकारिणी द्वारा जुम मीटिंग करके आगामी रणनीति तय की जाएगी। इस मौके पर धर्मबीर मलिक ने बताया कि आढतियों की मांगों में बकाया आढत जल्द देने, शार्टेज, बूथ पर लाईसेंस, आढ़तियों को कम मजदूरी के भुगतान, नमी युक्त धान की खरीद के पश्चात काटे जाने वाली वजन की कटौती, आढ़तियों को मिल रही कम आढत व एकमुश्त लाइसेंस रिन्यूअल आदि शामिल है।

2 सितंबर को पटौदी में अभय चौटाला की मौजूदगी में सेंकड़ों युवा लेंगे इनेलो की सदस्यता

पटौदी, 31 अगस्त। पटौदी क्षेत्र में इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) को मजबूत करने की दिशा में पार्थ सोनी की युवा टीम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। आगामी 2 सितंबर को इनेलो सुप्रीमो एवं किसान केसरी अभय सिंह चौटाला पटौदी स्थित बीएमएस मॉल में पहुंचेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अभय चौटाला सुबह 11 बजे बीएमएस मॉल पहुंचेंगे। उनके साथ इनेलो प्रदेश सचिव मंजीत कन्हैली तथा शहरी जिला अध्यक्ष कुलदीप कटारिया सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मुख्य रूप से मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम के आयोजक पार्थ सोनी ने बताया कि अभय सिंह चौटाला की मौजूदगी में पटौदी क्षेत्र के सैकड़ों युवा इनेलो की सदस्यता ग्रहण कर पार्टी में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं में इनेलो के प्रति लगातार उत्साह बढ़ रहा है और बड़ी संख्या में युवा पार्टी की विचारधारा से जुड़ने के लिए तैयार हैं।

पार्थ सोनी ने कहा कि 2 सितंबर का दिन पटौदी की राजनीति में युवाओं की नई भागीदारी का संदेश देगा। उन्होंने बताया कि उनकी युवा टीम लंबे समय से इस कार्यक्रम का बेसब्री से इंतजार कर रही है। अभय चौटाला के पटौदी आगमन को लेकर युवाओं और पार्टी कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह है तथा उनके भव्य स्वागत की तैयारियां की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि अभय सिंह चौटाला किसानों, युवाओं और आमजन की आवाज को मजबूती से उठाने वाले नेता हैं। उनके नेतृत्व में इनेलो लगातार जनता के मुद्दों को प्रमुखता से उठाती रही है। उन्होंने दावा किया कि आगामी कार्यक्रम में युवाओं की बड़ी भागीदारी देखने को मिलेगी और इससे पटौदी क्षेत्र में इनेलो को नई ऊर्जा मिलेगी। पार्थ सोनी ने क्षेत्र के युवाओं एवं पार्टी समर्थकों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पहुंचने का आह्वान करते हुए कहा कि अभय चौटाला का पटौदी में ऐतिहासिक एवं भव्य स्वागत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत है और आने वाले समय में युवाओं को साथ लेकर पार्टी को और मजबूत किया जाएगा।

सरकार किसानों को गन्ने का भाव 6 सौ रुपए प्रति क्विंटल दें : रामबीर चौहान

यमुनानगर, 31 अगस्त। भारतीय किसान संघ ने चीनी के बढ़े दाम के लिए सरकार की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया है।

संघ के प्रदेश महासचिव रामबीर सिंह चौहान ने कहा कि गन्ने का लगातार घट रहा रकबा चीनी महंगी होने की एक वजह है। उन्होंने कहा कि आज प्रति एकड़ गन्ने की फसल तैयार करने पर करीब सत्तर हजार रुपए खर्च आता है, लेकिन किसानों को इसका वाजिब दाम नहीं मिल रहा है। इसके चलते किसान गन्ने की खेती के प्रति विमुख हो रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकार की बेरुखी के कारण बीते दस साल के अंदर करीब साठ फीसदी गन्ने का रकबा घटा है। रामबीर सिंह चौहान ने कहा कि सरकार व चीनी मिलें किसानों को लागत के हिसाब से गन्ने का भाव नहीं दे रही है। इसके अलावा लेबर की किल्लत भी एक समस्या है। रामबीर चौहान ने कहा कि पहले संयुक्त परिवार होते थे। इसके अलावा आसपास के परिवार के लोग भी एक दूसरे का काम (डंगवार) कर करवा देते थे। गन्ना बिजाई भी एक दूसरे की करवा देते थे। उन्होंने सरकार से गन्ने का भाव छह सौ रुपए प्रति क्विंटल करने की मांग की।

सिंधु जल संधि पर अंतरराष्ट्रीय अदालत का फैसला भारत ने मानने से किया इनकार

विदेश मंत्रालय ने कहा- इस फैसले का भारत की परियोजनाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा

नई दिल्ली, एजेंसी।
सिंधु जल संधि पर अंतरराष्ट्रीय स्थायी मध्यस्थता अदालत के अंतरिम फैसले को भारत ने मानने से इनकार कर दिया है। भारत ने इस अदालत को अवैध बताया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत के संप्रभु निर्णयों पर फैसला सुनाने का इस अदालत को कोई अधिकार नहीं है। उसने यह भी कहा कि सिंधु जल संधि को रोकने का हमारा फैसला लागू रहेगा। अपने अंतरिम आदेश में सोमवार को नीदरलैंड के हेग स्थित इस अंतरराष्ट्रीय अदालत ने कहा था कि भारत को पाकिस्तान के साथ जल-साझाकरण संधि का पालन करना चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि भारत कश्मीर क्षेत्र में निर्माणाधीन एक जलविद्युत संयंत्र पर भी काम को सीमित करे। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि इस अदालत के फैसले का अब या भविष्य में भारत द्वारा चलाई जा रही परियोजनाओं पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। इसने कहा कि भारत ने कभी भी इस अंतरराष्ट्रीय अदालत को मान्यता नहीं दी है और लगातार कहा है कि इस कथित मध्यस्थता निकाय की स्थापना सिंधु जल सं?धि का सीधा-सीधा उल्लंघन है और वह इसके फैसले को उसी तरह खारिज करता है जैसे पहले की सभी घोषणाओं को करता आया है।

रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान ने पहलगाम हमले में अपनी किसी भूमिका से इनकार किया था और भारत द्वारा पिछले साल कश्मीर क्षेत्र में दो जलविद्युत परियोजनाओं की जलाशय क्षमता बढ़ाने के काम शुरू करने के बाद कानूनी कार्रवाई का रास्ता पकड़ा था। दोनों देशों के बीच 1960 में सिंधु जल संधि हुई थी, उसके बाद से दोनों में तीन युद्ध और छोटे-बड़े कई संघर्ष होने के बावजूद इस संधि पर कोई असर नहीं पड़ा था। वे इस पर अमल करते आ रहे थे। स्थायी मध्यस्थता

कोर्ट ने कहा कि सिंधु जल संधि पूरी तरह लागू है और भारत के पास समझौते को समाप्त करने या निलंबित करने का कोई औचित्य नहीं है।

अंतर-सरकारी अदालत ने कहा कि भारत को संधि के तहत अपने दायित्वों का पालन करना चाहिए, जिसमें पश्चिमी नदियों पर उसकी जलविद्युत परियोजनाओं के डिजाइन और संचालन से संबंधित दायित्व भी शामिल हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि विश्व बैंक द्वारा नियुक्त तटस्थ विशेषज्ञ अगले साल जुलाई तक यह तय करेगा कि हिमालयी क्षेत्र में जलविद्युत संयंत्रों का निर्माण संधि के अनुरूप हो रहा है या नहीं।

वरिष्ठ पत्रकार संदीप देव को मिलेगा श्री शारदा शताब्दी सम्मान 2026

राष्ट्र प्रथम न्यूज नेटवर्क
नई दिल्ली: सनातन संस्कृति, धर्मनिष्ठ लेखन और स्वतंत्र पत्रकारिता के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए 'इंडिया स्पीक डेली' के संस्थापक संपादक संदीप देव को प्रतिष्ठित श्री शारदा शताब्दी सम्मान 2026 के लिए चयनित किया गया है। यह सम्मान कश्मीर स्थित ऐतिहासिक धर्मपीठ 'श्रीमद् जगद्गुरु शारदा सर्वज्ञ पीठम् ट्रस्ट' द्वारा प्रदान किया जाएगा। 19 सितंबर को हैदराबाद में अलंकरण समारोह ट्रस्ट द्वारा जारी आधिकारिक पत्र के अनुसार, यह शताब्दी सम्मान समारोह आगामी 19 सितंबर 2026 (शारदा अष्टमी) को भाग्यनगर (हैदराबाद) में आयोजित किया जाएगा। समारोह में कश्मीर स्थित शारदा सर्वज्ञ पीठाधीश्वर श्रीमद् जगद्गुरु स्वामी डॉ. अमृतानन्द देव तीर्थ जी महाराज का पावन सान्निध्य रहेगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल उपस्थित रहेंगे, जबकि भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति पंकज मित्तल के कर-कमलों द्वारा यह सम्मान प्रदान किया जाएगा। समारोह के मुख्य यजमान हैदराबाद के वरिष्ठ समाजसेवी सी.वी. कसाना होंगे। संस्कृति रक्षा और निर्भीक पत्रकारिता का सम्मान ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) कर्नल अश्विनी कुमार द्वारा प्रेषित सूचना पत्र में कहा गया है कि यह सम्मान उन विभूतियों का अभिनंदन है, जिनके तप, सेवा, विद्या

और सांस्कृतिक निष्ठा से सनातन धर्म की ज्योति प्रज्वलित रहती है। चयन समिति ने संदीप देव द्वारा सनातन मूल्यों पर आधारित साहसिक एवं सत्यनिष्ठ पत्रकारिता को रेखांकित करते हुए सर्वसम्मति से उन्हें इस सम्मान हेतु चुना है। उल्लेखनीय है कि संदीप देव इससे पूर्व साहित्य अकादमी पुरस्कार, 'पंडित मदन मोहन मालवीय पत्रकारिता सम्मान' आदि से भी सम्मानित हो चुके हैं। इस राष्ट्रीय सम्मान के लिए देश भर के विभिन्न क्षेत्रों से चयनित 21 विशिष्ट विभूतियों में पत्रकारिता वर्ग से संदीप देव का नाम शामिल है।

भारत में जरूरत के मुकाबले केवल 25-30% कॉर्नियल ट्रांसप्लांट ही हो रहे हैं, जबकि क्लिनिकल कैपेसिटी लगातार बढ़ रही है: डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल के विशेषज्ञ

बृजेंद्र गोयल
नई दिल्ली। डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल के प्रमुख कॉर्नियल स्पेशलिस्ट्स, जिनमें पद्म श्री प्रो. डॉ. जे. एस. तितियाल, रीजनल हेड झ क्लिनिकल सर्विसेज शामिल हैं, ने कहा कि भारत में आज पर्याप्त क्लिनिकल एक्सपर्टीज, ट्रेंड कॉर्नियल स्पेशलिस्ट्स और मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर मौजूद है, जिससे देश में कहीं अधिक कॉर्नियल ट्रांसप्लांट किए जा सकते हैं। हालांकि, डोनेट की गई कॉर्निया की उपलब्धता अभी भी देश की जरूरत से काफी कम है। 41वें नेशनल आई डोनेशन फोर्टनाइट के तहत आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में विशेषज्ञों ने बताया कि भारत में हर वर्ष अनुमानित 1 लाख कॉर्नियल ट्रांसप्लांट की जरूरत होती है, लेकिन वर्तमान में केवल 25,000-30,000 ट्रांसप्लांट ही किए जा रहे हैं। यानी देश की अनुमानित जरूरत का केवल 25-30% ही पूरा हो पा रहा है। भारत में विजन को रिस्टोर करने की क्षमता अब केवल सर्जिकल कैपेबिलिटी से सीमित नहीं है, बल्कि सूटेबल डोनर टिशू की कमी एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आ रही है। देश में क्लिनिकल कैपेसिटी लगातार बढ़ रही है, इसलिए विशेषज्ञों ने जोर दिया कि आई डोनेशन को बढ़ाना सबसे पहली प्रायोरिटी होनी चाहिए, ताकि कॉर्नियल ट्रांसप्लांट की जरूरत वाले मरीजों और वास्तव में ट्रांसप्लांट प्राप्त कर पाने वाले मरीजों के बीच का गैप कम किया जा सके। हालांकि, सिर्फ आई डोनेशन का निर्णय लेना ही पर्याप्त नहीं है। एक डोनेट की गई आई को ट्रांसप्लांट के लिए सूटेबल कॉर्निया में बदलने के लिए पूरी प्रोसेस का एफिशिएंट तरीके से काम करना

जरूरी है। परिवार द्वारा डोनेशन का निर्णय लेने और मृत्यु के तुरंत बाद आई बैंक से संपर्क करने से लेकर टाइमली रिट्रीवल, टिशू इवैल्यूएशन, ट्रांसपोर्टेशन, एलोकेशन और ट्रांसप्लांटेशन तक हर स्टेप महत्वपूर्ण है। किसी भी स्तर पर देरी या कमी होने से जरूरतमंद मरीजों के लिए उपलब्ध डोनर टिशू कम हो सकता है। इसलिए विशेषज्ञों ने आई डोनेशन में पब्लिक पार्टिसिपेशन बढ़ाने के साथ-साथ मजबूत आई-बैंक नेटवर्क, फास्टर रिट्रीवल सिस्टम और डोनेट किए गए टिशू के बेहतर यूटिलाइजेशन की आवश्यकता पर जोर दिया। आई डोनेशन की अपील से आगे बढ़कर पूरी डोनर-टू-रिसिपिएंट जर्नी को मजबूत करना होगा पद्म श्री प्रो. डॉ. जीवन तितियाल, रीजनल हेड झ क्लिनिकल सर्विसेज, डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल, ने कहा, कॉर्नियल ब्लाइंडनेस विजन लॉस के महत्वपूर्ण कारणों में से एक है, जिसका इलाज ट्रांसप्लांटेशन के जरिए संभव है। इसके बावजूद हजारों मरीज सूटेबल डोनर टिशू के लिए लंबे और अनिश्चित इंतजार का सामना कर रहे हैं। भारत में कॉर्नियल ट्रांसप्लांटेशन के लिए सर्जिकल एक्सपर्टीज और लगातार एडवांस होती टेक्निक्स उपलब्ध हैं, लेकिन सूटेबल और हाई-क्वालिटी डोनर टिशू की अवेलेबिलिटी अभी भी एक बड़ी चुनौती है। इसलिए अब बातचीत केवल लोगों से अपनी आंखें डोनेट करने की प्लेज लेने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। परिवारों के बीच इस बात को लेकर अधिक अवेयरनेस की जरूरत है कि मृत्यु के बाद समय पर निर्णय लेना कितना महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही हॉस्पिटल-बेस्ड रिट्रीवल सिस्टम को मजबूत करना, एफिशिएंट आई-बैंक नेटवर्क विकसित करना और पूरी डोनर-टू-रिसिपिएंट पाथवे में बेहतर कोऑर्डिनेशन सुनिश्चित करना जरूरी है। रिट्रीव की गई कॉर्निया और ट्रांसप्लांट के लिए सूटेबल कॉर्निया के बीच भी बड़ा गैप रिट्रीव की गई कॉर्निया और अंततः ट्रांसप्लांटेशन के लिए सूटेबल पाई जाने वाली कॉर्निया के बीच का गैप भी इस चुनौती को दशार्ता है। जानकारी के मुताबिक 2023झ24 में भारत में 49,000 से अधिक कॉर्निया रिट्रीव की गईं, जबकि इनमें से लगभग 27,394 कॉर्निया ही ट्रांसप्लांटेशन के लिए सूटेबल पाई गईं। विशेषज्ञों ने यह भी बताया कि डोनर कॉर्निया की क्वालिटी और यूजेबिलिटी बनाए रखने के लिए टाइमली रिट्रीवल बेहद महत्वपूर्ण है। किसी प्रियजन की मृत्यु के बाद परिवार को जितनी जल्दी संभव हो आई बैंक से संपर्क करने की सलाह दी जाती है। उचित परिस्थितियों में कॉर्नियल रिट्रीवल आमतौर पर लगभग छह घंटे के भीतर करने का लक्ष्य रखा जाता है। देरी होने पर टिशू क्वालिटी प्रभावित हो सकती है और इससे उसके ट्रांसप्लांटेशन के लिए सूटेबल होने की संभावना कम हो सकती है। कॉर्नियल ट्रांसप्लांट से कई मरीजों की विजन रिस्टोर हो सकती है कॉर्नियल ट्रांसप्लांट उन मरीजों में ऑप्टिकल पाथवे को रिस्टोर कर सकता है, जिनकी विजन कॉर्नियल स्कारिंग, इफेक्शन, ट्रॉमा या अन्य बीमारियों के कारण गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। लेकिन इस पूरी जर्नी की सफलता ऑपरेटिंग थिएटर से काफी पहले शुरू होती है। यह एक डोनर और उसके परिवार के समय पर लिए गए निर्णय से शुरू होती है। हमारे सामने आने वाली सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक यह है कि कई पोटेंशियल डोनर्स केवल इसलिए लॉस्ट हो जाते हैं क्योंकि परिवारों को मृत्यु के तुरंत बाद आई बैंक से संपर्क करने की अर्जेंसी के बारे में जानकारी नहीं होती। आई डोनेशन को बढ़ाना महत्वपूर्ण है, लेकिन उतना ही महत्वपूर्ण है टाइमली रिट्रीवल, प्रॉपर टिशू इवैल्यूएशन और हर सूटेबल कॉर्निया का ऑप्टिमल यूटिलाइजेशन सुनिश्चित करना। कॉर्नियल सर्जरी में नई टेक्निक्स से अधिक टागेर्टेड ट्रीटमेंट संभव कॉर्नियल ट्रांसप्लांटेशन अब कन्वेंशनल फुल-थिकनेस प्रोसीजर्स तक सीमित नहीं है। आज तेजी से सिलेक्टिव और लेयर-स्पेसिफिक टेक्निक्स का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिनमें उपयुक्त मामलों में कॉर्निया के केवल प्रभावित हिस्से को रिप्लेस किया जा सकता है।

Siliconops.ai ने लॉन्च किया siliconcloud.in, भारतीय उद्यमों के लिए भारत में निर्मित एक Sovereign Cloud

राष्ट्र प्रथम न्यूज नेटवर्क
दिल्ली: Siliconops.ai ने भारतीय विनियमित उद्यमों के लिए विशेष रूप से तैयार अपना सॉवरेन क्लाउड प्लेटफॉर्म **silicon cloud.in** लॉन्च किया है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लॉन्च किया गया यह प्लेटफॉर्म इस बदलती सोच को दशार्ता है कि डेटा केवल भारत में मौजूद होना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसका नियंत्रण भी भारतीय संस्थानों के हाथ में होना चाहिए।

"Own your data, own your cloud" की अवधारणा पर आधारित **siliconcloud.in** को **Nutanix** के साथ साझेदारी में विकसित किया गया है। इसका संचालन और प्रबंधन भारत स्थित

डेटा सेंटरों से किया जाएगा। यह प्लेटफॉर्म बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाओं, फार्मा, स्वास्थ्य सेवा, सरकारी संस्थानों और विनिर्माण क्षेत्र जैसे विनियमित उद्योगों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जहां डेटा रेजिडेंसी, नियामकीय अनुपालन और बिजनेस कंटिन्यूटी महत्वपूर्ण हैं। **silicon cloud.in** के माध्यम से उद्यमों को एंटरप्राइज-ग्रेड कंप्यूट, बैकअप, डिजास्टर रिकवरी और मैनेज्ड क्लाउड सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। प्लेटफॉर्म के जरिए संवेदनशील डेटा को भारत में रखते हुए भारतीय कानूनों और अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत संचालित करने की सुविधा देने का लक्ष्य है। सिलिकॉनऑप्स के सीईओ श्याम गाइडाने ने कहा, एआई के दौर में डेटा किसी भी उद्यम की सबसे महत्वपूर्ण संपत्तियों में से एक बन गया है। अब चर्चा केवल इस बात तक सीमित नहीं रह सकती कि डेटा कहां रखा गया है, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण है कि उसका नियंत्रण किसके पास है।

भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के आसपास सॉवरेन क्लाउड लॉन्च करना इस बात का प्रतीक है कि उद्यमों के लिए भी संप्रभुता उतनी ही महत्वपूर्ण है, जितनी राष्ट्रों के लिए। भारत में डेटा होना लोकलाइजेशन है, जबकि डेटा पर नियंत्रण होना संप्रभुता है।

मणिपुर में केंद्र सरकार ने राज्य में जनगणना कराने पर लगाया ब्रेक

-जनगणना से पहले एनआरसी को अपडेट करने की मांग पर लिया फैसला

इम्फाल, एजेंसी।
जातीय हिंसा से प्रभावित मणिपुर में केंद्र सरकार ने राज्य में जनगणना अभियान को स्थगित करने का फैसला लिया है! यह फैसला मणिपुर के नागरिक संगठनों की उस मांग के बाद लिया गया, जिसमें जनगणना से पहले राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) को अपडेट करने की मांग की गई थी। जनगणना के तहत राज्य में घरों की सूची बनाने का काम 1 सितंबर से शुरू होना था।

मुख्यमंत्री सचिवालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को नई दिल्ली में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की थी। बैठक में मणिपुर की मौजूदा स्थिति का जायजा लिया गया। इस दौरान राज्य के लोगों की ओर से जनगणना को टालने और पहले एनआरसी लागू करने की मांग पर भी चर्चा हुई। बैठक में मणिपुर के लोगों की भावनाओं और उनकी आकांक्षाओं को

देखते हुए राज्य में प्रस्तावित जनगणना को फिलहाल टालने पर सहमति बनी।

मणिपुर में एनआसी लागू करने की मांग मुख्य रूप से मैतेई और नगा समुदायों की ओर से उठाई गई है। इन समुदायों में आशंका है कि एनआरसी के बिना जनगणना कराने से राज्य की जनसांख्यिकी में बदलाव हो सकता है। उनका आरोप है कि पड़ोसी म्यांमार से अवैध प्रवासियों के आने के कारण राज्य की आबादी के स्वरूप में बदलाव हो रहा है। म्यांमार से आने वाले कथित अवैध प्रवासियों के कुकी समुदाय से जातीय संबंध होने की बात भी कही जाती रही है। बैठक के बाद सीएम वाई. खेमचंद सिंह ने पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि केंद्र ने मणिपुर के लोगों की आवाज सुनी और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में फैसला लिया। सीएम ने बीजपी अध्यक्ष नितिन नबीन का भी मणिपुर के लोगों की मांगों को पूरा कराने में लगातार समर्थन देने के लिए धन्यवाद किया। बता दें मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच मई 2023 से जातीय हिंसा जारी है। मैतेई समुदाय मुख्य रूप से घाटी वाले इलाकों में रहता है, जबकि कुकी समुदाय के लोग पहाड़ी जिलों में बड़ी संख्या में रहते हैं। इस हिंसा में अब तक कम से कम 260 लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए। लगातार जारी जातीय संघर्ष और मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद 13 फरवरी 2025 को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। करीब एक साल बाद 4 फरवरी को इसे हटा दिया गया था।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने भारत की औद्योगिक क्षमताओं, टेक्नोलॉजी और ग्लोबल बिजनेस के मौकों को जाना

कुंडली इंडस्ट्रियल एरिया में बिजनेस ग्रोथ कनेक्ट और इंडस्ट्रियल विज़िट का आयोजन

राष्ट्र प्रथम न्यूज नेटवर्क
कुंडली, सोनीपत। ग्लोबल ट्रेड एंड टेक्नोलॉजी काउंसिल ऑफ इंडिया (**GTTCI**) ने कुंडली इंडस्ट्रियल एरिया में बिजनेस ग्रोथ कनेक्ट और इंडस्ट्रियल विज़िट का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय राजनयिक, व्यापार प्रतिनिधि, उद्योगपति, **GTTCI** के सदस्य, लायंस क्लब दिल्ली वेज के सदस्य और मीडिया प्रतिनिधि शामिल हुए। इसका मकसद भारत की औद्योगिक क्षमताओं को जानना और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, टेक्नोलॉजी सहयोग, निवेश और बिजनेस पार्टनरशिप के मौकों की पहचान करना था।

इस कार्यक्रम में कई खास अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि शामिल हुए, जिनमें यूनेस्को (**UNESCO**) के डायरेक्टर डॉ. बेनो बीयर; ब्राजील दूतावास के कृषि और संस्कृति मंत्री श्री रॉबर्टो कार्लोस पापा; बोत्सवाना हाई कमीशन के ट्रेड अटैची श्री डिपोपेगो जूलियस त्शेको; मिस्र दूतावास की कल्चरल अटैची सुश्री नियारा और सुश्री आयत; और इथियोपिया के पत्रकार श्री नेबिहा के साथ-साथ कई देशों के अन्य प्रतिनिधि शामिल थे।

इस कार्यक्रम में कुंडली इंडस्ट्रियल एरिया के अलग-अलग सेक्टर के प्रमुख उद्योगपति भी शामिल हुए, जिनमें जगदंबा कटलरी लिमिटेड के चेयरमैन डॉ. पवन कंसल; डढअ ब्रदर्स इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड के श्री विपुल कपूर; सॉक्स इंडस्ट्री का प्रतिनिधित्व करने वाले श्री गोपाल गोस्वामी; डेनिम इंडस्ट्री का प्रतिनिधित्व करने वाले कपूर एंटरप्राइजेज के श्री गौरव कपूर और श्री सौरव कपूर; और प्रिंटिंग और पैकेजिंग इंडस्ट्री का प्रतिनिधित्व

करने वाले मेट्रो एड एंड प्रिंट पैक प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर श्री प्रदीप द्विवेदी शामिल थे।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने छह मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स का दौरा किया

इंडस्ट्रियल विज़िट के हिस्से के तौर पर, प्रतिनिधिमंडल ने कुंडली इंडस्ट्रियल एरिया में छह मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स का दौरा किया और भारत की अलग-अलग तरह की मैन्युफैक्चरिंग और प्रोडक्शन क्षमताओं को करीब से देखा। इन फैक्ट्रियों में कई तरह की इंडस्ट्रीज शामिल थीं, जैसे स्टेनलेस-स्टील कटलरी, स्टेनलेस-स्टील हाउसवेयर, डेनिम, सॉक्स, प्लास्टिक, प्रिंटिंग और पैकेजिंग, और एग्रो-प्रोसेसिंग। प्रतिनिधियों ने इन सेक्टरों में मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस, आधुनिक मशीनरी, टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल, क्वालिटी-कंट्रोल सिस्टम, प्रोडक्शन के तरीकों और कामकाज के कुल पैमाने को देखा। अलग-अलग सेक्टर की इस इंडस्ट्रियल विज़िट से अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों को भारतीय कंपनियों की क्षमताओं और मैन्युफैक्चरर्स द्वारा अपनाए जा रहे क्वालिटी और टेक्नोलॉजी स्टैंडर्ड्स की व्यावहारिक समझ मिली। इसने भारतीय व्यवसायों को अपने उत्पादों और उत्पादन क्षमताओं को सीधे अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के सामने पेश करने और विदेशी बाजारों में संभावित अवसरों का पता लगाने में भी मदद की।भारतीय उद्योग को वैश्विक बाजारों से जोड़ना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारतीय उद्योगों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार समुदाय के बीच सार्थक व्यावसायिक संबंध बनाना, निर्यात और निवेश के अवसरों को बढ़ावा देना और व्यापार, तकनीकी सहयोग, औद्योगिक साझेदारी और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच के लिए नए रास्ते तलाशना था। इस बातचीत ने भाग लेने वाले उद्यमियों को अपने उत्पादों और क्षमताओं को प्रस्तुत करने, अंतरराष्ट्रीय बाजार की आवश्यकताओं को समझने और

विभिन्न देशों के व्यवसायों और संस्थानों के साथ सहयोग के संभावित क्षेत्रों की पहचान करने का अवसर प्रदान किया।

"यह कार्यक्रम देश के व्यापार को आगे बढ़ाने में बहुत प्रभावी साबित होगा" — गौरव गुप्ता

इस अवसर पर बोलते हुए, **GTTCI** के निदेशक श्री गौरव गुप्ता ने कहा कि इस तरह की पहल वैश्विक बाजारों के साथ भारत के जुड़ाव को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा5 सकती है। "यह कार्यक्रम देश और उसके व्यापार को आगे बढ़ाने में बहुत प्रभावी साबित होगा। भारतीय उद्यमियों को अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों से जोड़ने से नए व्यावसायिक अवसर पैदा हो सकते हैं, निर्यात मजबूत हो सकता है और वैश्विक सहयोग के लिए नए रास्ते खुल सकते हैं।" उन्होंने आगे जोर दिया कि भारत की विनिर्माण क्षमताओं, तकनीकी विशेषज्ञता और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों में अंतरराष्ट्रीय बाजारों में काफी संभावनाएं हैं, और भारतीय उद्योग और वैश्विक व्यापार समुदाय के बीच मजबूत संबंध बनाने के लिए इस तरह की बिजनेस-कनेक्ट और औद्योगिक-यात्रा पहल नियमित रूप से आयोजित की जानी चाहिए।

कुंडली उद्योगों ने सेक्टर की ताकत का प्रदर्शन किया

जगदंबा कटलरी लिमिटेड के चेयरमैन और **GTTCI** के चेयरमैन (औद्योगिक निर्यात) डॉ. पवन कंसल ने कहा कि कुंडली औद्योगिक क्षेत्र में इस तरह के अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम की मेजबानी करना पूरे औद्योगिक समुदाय के लिए गर्व की बात है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि ऐसी पहल स्थानीय उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार समुदायों के साथ सीधे जुड़ने, वैश्विक आवश्यकताओं को समझने और विदेशी बाजारों में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने के रास्ते तलाशने का अवसर प्रदान करती है। भाग लेने वाले उद्योगपतियों ने विभिन्न क्षेत्रों की संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय उत्पादों की बढ़ती मांग और अवसरों पर चर्चा की।

लायंस क्लब दिल्ली वेज ने इस पहल का समर्थन किया

लायंस क्लब दिल्ली वेज के प्रेसिडेंट, लायन अनुज अग्रवाल ने इस पहल की सराहना की। उन्होंने बेहतर सहयोग और आपसी विकास के मौके बनाने के लिए भारतीय व्यवसायों और अंतरराष्ट्रीय स्टेकहोल्डर्स को एक साथ लाने के महत्व पर जोर दिया।

भविष्य के सहयोग पर राउंड टेबल चर्चा

कार्यक्रम का समापन अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों, उद्योगपतियों और खास मेहमानों के साथ एक राउंड टेबल चर्चा के साथ हुआ। इस चर्चा ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार के मौकों, बाजार तक पहुँच, निर्यात, टेक्नोलॉजी में सहयोग और संभावित साझेदारियों पर अपने विचार साझा करने के लिए एक खुला मंच प्रदान किया। आयोजकों ने भरोसा जताया कि "बिजनेस ग्रोथ कनेक्ट एंड इंडस्ट्रियल विज़िट" जैसी पहल भारतीय उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ज्यादा पहचान दिलाने, मजबूत व्यावसायिक संबंध बनाने और व्यापार, निवेश व औद्योगिक विकास में योगदान देने में मदद करेंगी। **GTTCI** भारतीय उद्योग और अंतरराष्ट्रीय व्यापार समुदाय के बीच संबंध बनाने, कंपनियों के लिए घरेलू बाजारों से आगे बढ़ने के मौके पैदा करने और वैश्विक व्यापार में भारत की भूमिका को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

क्या आप तैयार हैं फर्स्ट इंप्रेशन के लिए?

आज के समय में सिर्फ कॉलेज की पढ़ाई पूरी कर लेना ही काफी नहीं है। जॉब पाने के लिए प्रोफेशनल एटिकेट्स की समझ-बूझ होना भी बहुत जरूरी है। इसी से आपकी एक इमेज भी बनती है। जब आप इंटरव्यूअर के साथ बैठते हैं, तो फर्स्ट इंप्रेशन बनने में महज कुछ सेकंड का समय ही लगता है। इतने ही वक्त में आपके बारे में एक राय बन जाती है। भले ही इस दौरान आप एक भी शब्द न बोलें, लेकिन इंटरव्यूअर आपकी ड्रेसिंग, ग्रूमिंग, चेहरे के भाव और बॉडी लैंग्वेज को देखकर बहुत कुछ समझ जाते हैं। ऐसे में बहुत जरूरी हो जाता है कि आप अच्छा इंप्रेशन बनाने को लेकर चौकस रहें।

'हाथ' देता है संदेश

एक-दूसरे से हाथ मिलाने के स्टाइल से भी आपके व्यक्तित्व और आत्मविश्वास को आंका जा सकता है। इसलिए हैंडशेक को कतई हल्के में न लें। किसी व्यक्ति से मुलाकात के दौरान चेहरे पर मुस्कान रखना और आंख मिलाकर बात करना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है मजबूती और गर्मजोशी से हाथ मिलाना। इतना ही नहीं, हाथ मिलाते समय आप सामने वाले को उत्साही भी दिखें। यह हैंडशेक सही ढंग से होना चाहिए, यानी न तो सामने वाले का हाथ बहुत ज्यादा कसकर पकड़ना चाहिए और न ही इसे ढीला छोड़ना चाहिए। आम तौर पर हैंडशेक के दौरान हाथ को दो-तीन बार हिलाना सही माना जाता है।

ड्रेसिंग-ग्रूमिंग पर ध्यान

प्रोफेशनल ड्रेसिंग और सोशल ड्रेसिंग मौके के हिसाब से उपयुक्त होना चाहिए। अगर आप पहली बार जॉब के लिए इंटरव्यू देने जा रहे हैं, तो आपको यह फर्क समझना होगा। इंटरव्यू के लिए जाने हेतु पुरुषों के लिए डार्क कलर का ट्राउजर और लाइट कलर की फॉर्मल शर्ट ही श्रेष्ठ होती है। हल्की-फुल्की धारीदार शर्ट भी पहन सकते हैं। ऐसे मौके पर पैटर्न या डिजाइन वाले कपड़े पहनने से बचें। महिलाएं स्ट्रेट-कट कुर्ता पहन सकती हैं। चाहें, तो साड़ी भी पहन सकती हैं। मगर ध्यान रहे, इसमें ज्यादा तड़क-भड़क न हो। अगर वेस्टर्न ड्रेस पहनना चाहें, तो स्ट्रेट-कट, वेल फिटिंग ट्राउजर पहन सकती हैं। ऐसे मौकों पर एक्सेसरी व मेकअप के मामले में जितना सिंपल रहें, उतना बेहतर होता है।

रेज्यूमे में कॉपी-पेस्ट नहीं!

रेज्यूमे आपकी प्रोफेशनल लाइफ का आईना होता है। इसलिए इसको लेकर हमेशा गंभीरता बरतें। कई युवा अपना रेज्यूमे बनाते समय किसी दोस्त के रेज्यूमे को लगभग जस-का-तस कॉपी-पेस्ट कर देते हैं। यह बिल्कुल गलत है। कारण यह कि हर व्यक्ति की शख्सियत और खासियत अलग होती है और इसी प्रकार हर जॉब के लिए अलग तरह के रेज्यूमे की जरूरत होती है। अगर कोई हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में काम कर रहा है, तो उसके रेज्यूमे को कॉपी-पेस्ट करके आप आईटी सेक्टर में जॉब के लिए आवेदन नहीं कर सकते। रेज्यूमे में आपकी अपनी शख्सियत झलकनी चाहिए। इसमें आपके अनुभव, काम, हॉबी, कॉलेज के प्रोजेक्ट्स आदि का उल्लेख हो। कोशिश करें कि इसमें स्पेलिंग या ग्रामर की गलतियां बिल्कुल न हों। ऐसी गलतियों से आपके बारे में नकारात्मक इंप्रेशन बनता है। रेज्यूमे बनाने के बाद इसे किसी सीनियर या जानकार को एक बार जरूर दिखा दें ताकि उसमें कोई कमी रह जाने पर उसे दूर किया जा सके।

जॉब पाने के बाद

अगर आपको जॉब मिल जाती है, तो वर्कप्लेस पर विनम्र और मिलनसार बने रहना कई मायनों में फायदेमंद होता है। शुरूआती दिनों में कोई शिकायत या दूसरों की आलोचना करने से बचें। अपना ध्यान सिर्फ काम पर लगाएं। जो जिम्मेदारी आपको दी गई है, उसे बेहतर तरीके से निभाने की कोशिश करें। काम के प्रति प्रो-एक्टिव रवैया दिखाकर आप बॉस की नजर में अच्छा इंप्रेशन बना सकते हैं। सोशल मीडिया पर आजकल लगभग सभी सक्रिय हैं। मगर ध्यान रहे, अपनी ऑनलाइन इमेज साफ-सुथरी रखना जरूरी है क्योंकि आपके बारे में इंप्रेशन बनाने में इसका भी योगदान होता है।

कंपनियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा के चलते मार्केट रिसर्च बड़े उद्योग के रूप में उभर रहा है। यहां आपके लिए जॉब के कई अवसर है।

बाजार के बदलते मिजाज पर रखिए नजर

बाजार में किसी भी उत्पाद की लॉन्चिंग से पहले कंपनियों के जेहन में एक बात जरूर होती है कि लोगों को उनका उत्पाद पसंद आएगा या नहीं। लोग क्या पसंद करते हैं? उत्पाद की बिक्री कैसी रहेगी.? इन सवालों के जवाब पाने के लिए कंपनियां बाकायदा मार्केट रिसर्च कराती हैं। फिर मार्केटिंग की रणनीति बनाती हैं। ऐसा कमोबेश सभी कंपनियां करती हैं। यही वजह है कि बीते कुछ वर्षों में मार्केट रिसर्च की अहमियत बढ़ी है क्योंकि बाजार का मिजाज रोज बदल रहा है। किसी भी उत्पाद की लॉन्चिंग में कंपनियों के करोड़ों रुपए दांव पर लगे होते हैं। इसलिए कंपनियां कोई रिस्क नहीं लेना चाहतीं। किसी प्रोडक्ट या सर्विस की लॉन्चिंग/ रीलॉन्चिंग से पहले वे मार्केट सर्वे का सहारा जरूरी लेती हैं। मार्केट रिसर्च सोसायटी ऑफ इंडिया की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, देश में रिसर्च इंडस्ट्री की वर्तमान विकास दर करीब 10 प्रतिशत है। इसमें आगे और विस्तार की उम्मीद बनी हुई है क्योंकि देश में कंज्यूमर कॉन्फिडेंस लगातार बढ़ रहा है।

सर्वे का बढ़ता स्कोप मार्केट रिसर्च कंपनियों की सेवाएं निजी कंपनियों के साथ अब राजनीतिक दल भी खूब लेने लगे हैं। आम तौर पर सभी राजनीतिक पार्टियां टिकट बंटवारे से लेकर चुनावी व्यूह रचना और घोषणापत्र तक मार्केट रिसर्च के आधार पर ही तैयार करती हैं। चुनाव पूर्व सर्वे के जरिये जनता का मूड जानने की कोशिश भी की जाती है। टीवी चैनल्स और अखबारों में छपने वाले ओपिनियन पोल और एक्जिट पोल की लोकप्रियता से तो सभी वाकिफ हैं।

कैसे होती है मार्केट रिसर्च?

मार्केट रिसर्चर या एनालिस्ट का कार्य मुख्य रूप से सर्वे और रिसर्च से जुड़ा है। अपने तरीकों से ये प्रोफेशनल बाजार का मूड टटोलने की कोशिश करते हैं। दरअसल, यह भी एक मार्केटिंग रणनीति है। उत्पाद की लॉन्चिंग से पहले सर्वे कराने से यह पता चलता है कि प्रतिस्पर्धा में कौन-कौन-से उत्पाद हैं, उनकी कीमत क्या है, बिक्री क्या है? कंपनी की मार्केटिंग रणनीति क्या है? बाजार में नए उत्पान की बिक्री का स्कोप क्या है? साथ ही, कंपनियां यह भी जानना चाहती हैं कि लोग क्या पसंद करते हैं, उन्हें क्या नया पसंद आएगा आदि। इन सभी सवालों का फीडबैक जुटाने के लिए मार्केट रिसर्चर एक क्वैश्चनेयर नुमा फॉर्म तैयार करते हैं। फिर कंज्यूमर सर्वे कराते हैं। ये सर्वे कई तरह से किए जाते हैं, जैसे टेलिफोन या इंटरनेट के जरिये या फिर ग्राउंड सर्वे। बाद में रिसर्च कंपनियां क्लाइंट कंपनी के लिए एक रिपोर्ट या प्रेजेंटेशन तैयार करती हैं। मार्केट रिसर्चर के इन्हीं सुझावों के आधार पर आखिरकार कंपनियां अपने उत्पाद या सेवा की लॉन्चिंग करती हैं।

पर्सनल स्किल

मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में काम करने के लिए आपको डाटा एनालिसिस का ज्ञान रखना बहुत जरूरी है। आपकी कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छी होनी चाहिए। इंग्लिश पर अच्छी पकड़ भी होना जरूरी है। बेहतर सेल्समैनशिप और क्रिएटिव क्वॉलिटी भी रखनी होगी। साथ ही, अगर आप टीमवर्क की भावना और काम के प्रति लगन रखते हैं, तो बेझिझक मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं।

जॉब प्रोफाइल

मार्केट रिसर्च का कार्य मुख्य तौर पर दो हिस्सों में बंटा है : फील्ड वर्क और रिसर्च वर्क। इसलिए यहां अलग अलग पृष्ठभूमि के लोगों के लिए जॉब के अवसर भी खूब हैं। रिसर्च एजेंसीज में आप वाइस प्रेसिडेंट ऑफ मार्केटिंग रिसर्च, रिसर्च डायरेक्टर, असिस्टेंट डायरेक्टर, प्रोजेक्ट मैनेजर, डाटा प्रोसेसिंग स्पेशलिस्ट, एनालिस्ट, फील्ड वर्क डायरेक्टर, फील्ड सुपरवाइजर आदि पदों पर जॉब पा सकते हैं।

कहां हैं जॉब्स?

मौजूदा समय में कई देशी-विदेशी कंपनियां आपको इस फील्ड में जॉब दे सकती हैं। बड़ी कंपनियों में आपको विदेश में भी काम करने का मौका मिल सकता है। इसके अलावा केंद्र व राज्य सरकारों के तमाम विभागों में भी मार्केट रिसर्चर की काफी मांग है। टेलीकॉम कंपनियों में भी जॉब की संभावनाएं हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म और कंसल्टेंसी का विकल्प भी खुला है। अगर चाहें, तो एंटरप्रेन्योर बनकर खुद की रिसर्च एजेंसी भी खोल सकते हैं।

शैक्षणिक योग्यताएं

मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में काम की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता ग्रेजुएशन है। अगर करियर बनाना चाहते हैं, तो बीबीए या मार्केटिंग में एमबीए करके यहां एंट्री लें। साइकोलॉजी, सोश्योलॉजी या एंथ्रोपोलॉजी में ग्रेजुएट भी यहां करियर बना सकते हैं। कम्प्यूटर साइंस में ग्रेजुएट के लिए भी यहां करियर स्कोप है। कई संस्थान मार्केट रिसर्च के लिए डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा कोर्स भी ऑफर कर रहे हैं। वहीं, फील्ड वर्क के लिए न्यूनतम योग्यता 12वीं पास है।

सैलरी कितनी?

रिसर्च कंपनियों में हर तरह के प्रोफेशनल्स को काफी आकर्षक सैलरी मिलती है। रिसर्चर या एनालिस्ट लेवल पर शुरूआत में ही 30 से 40 हजार रुपए महीना आसानी से मिल जाते हैं। अनुभव बढ़ने पर यह सैलरी 70 हजार से 1 लाख रुपए के आसपास भी पहुंच सकती है। फील्ड वर्क से जुड़े लोग भी शुरूआत में 10 से 15 हजार रुपए महीना कमा सकते हैं।

ऑनलाइन एग्जाम से डरें नहीं, अपनाएं ये टिप्स

बैंकों में नियुक्ति के लिए परीक्षाएं कराने वाली प्रमुख एजेंसियां, जैसे आईबीपीएस, एसबीआई और आरबीआई भी कम्प्यूटराइज्ड ऑनलाइन फॉर्मेट में परीक्षा लेना या तो शुरू कर चुकी हैं या ऐसा करने की तैयारी में हैं। ऑनलाइन फॉर्मेट अपनाने पर परीक्षार्थियों और अकादमिक विशेषज्ञों दोनों की ओर से मिश्रित प्रतिक्रियाएं आई हैं। इस बात में कोई शक नहीं कि कम्प्यूराइज्ड एग्जाम के कई फायदे हैं मगर कई लोगों ने इस आधार पर इसका विरोध भी किया है कि इससे कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी तक पहुंच और उसमें सिद्धहस्तता के आधार पर विभिन्न परीक्षार्थियों में भेद किया जाता है।

जो युवा इस टेक्नोलॉजी से कम परिचित हैं, वे अन्य मामलों में योग्य होने हुए भी पिछड़ सकते हैं। कई ऐसे युवा भी हो सकते हैं, जो यूं तो कम्प्यूटर का प्रयोग खूब करते हैं लेकिन परीक्षा ऑनलाइन देने के नाम पर असहज हो जाते हैं। यदि आप भी उन लोगों में से हैं, जो ऑनलाइन बैंकिंग एग्जाम को लेकर चिंतित हैं, तो हम आपके लिए कुछ टिप्स दे रहे हैं, जिनसे आपको निश्चित ही लाभ होगा। ऑनलाइन परीक्षा की तकनीक पर चर्चा करने से पहले यह जानना भी जरूरी है कि आखिर क्यों बैंकिंग परीक्षाओं को ऑनलाइन करने का फैसला किया गया।

ऑनलाइन का है भविष्य

जो भी हो, ऑनलाइन परीक्षाओं के लाभ इसकी हानियों से ज्यादा हैं और भविष्य तो कम्प्यूटराइज्ड परीक्षाओं का ही है। आगे चलकर तमाम परीक्षाएं इसी फॉर्मेट में होने वाली हैं, इसमें कोई संदेह नहीं। अभी तक पेपर-पेन वाली परीक्षाएं देते आए परीक्षार्थियों को शुरू-शुरू में ऑनलाइन परीक्षा थोड़ी असहज लग सकती है लेकिन यह कोई हिमालय लांघने जैसा काम भी नहीं है। वैसे भी, सभी बैंकिंग प्रोफेशनल्स से यह अपेक्षा तो की ही जाती है कि उन्हें कम्प्यूटर का बेसिक ज्ञान हो। तो फिर परीक्षा भी कम्प्यूटर पर ही देने में हिचक कैसी?

परीक्षा के माहौल से परिचित हों

कम्प्यूटराइज्ड बैंक परीक्षाओं की आलोचना का एक आधार यह रहा है कि परीक्षार्थी प्रश्नों के उत्तर देने में सहज नहीं हो पाते और समय पर पेपर पूरा नहीं कर पाते। इस समस्या का समाधान खुद परीक्षार्थी के पास ही है। जो युवा बैंकिंग एग्जाम देने का इरादा रखते हैं, वे परीक्षा के इस नए माहौल से खुद को अभ्यस्त करना शुरू कर दें। इससे आप एग्जाम फॉर्मेट, स्टाइल और प्रश्नों की शैली से परिचित हो जाएंगे।

टेक्नोलॉजी का लाभ उठाएं

टेक्नोलॉजी हमेशा से भविष्य का रास्ता बताती आई है। ऑनलाइन बैंक पीओ एग्जाम भी इससे अलग नहीं है। टेक्नोलॉजी से समय और मेहनत की बचत होती है, यह तो सब जानते हैं। सो आप भी इस बात पर फोकस करें कि आप टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए कैसे कर सकते हैं और कैसे कम समय व कम मेहनत के साथ पेपर हल कर सकते हैं।

अपनी ताकत और कमजोरी पहचानें

एक बार आप ऑनलाइन परीक्षा की टेक्नोलॉजी और फॉर्मेट से परिचित हो जाएं, तो आप अपनी ताकत और कमजोरी को पहचान सकते हैं। फिर आप अपनी कमजोरियों को दूर करने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। मसलन, हो सकता है कि आप कम्प्यूटर पर मैथ्स के प्रश्न तो आसानी से हल कर लें लेकिन स्क्रीन पर इंग्लिश लैंग्वेज के प्रश्न पढ़ने और उनके उत्तर देने में आपको दिक्कत हो रही हो। ऐसे में आप मैथ्स के मुकाबले इंग्लिश की तैयारी पर अधिक ध्यान दे सकते हैं।

ऑनलाइन मॉक टेस्ट

कम्प्यूटराइज्ड आरबीआई बैंक एग्जाम्स के आने के बाद से कई कोचिंग सेंटर्स तथा टेस्ट प्रेप वेबसाइट्स ऑनलाइन मॉक टेस्ट कराती हैं। ये मॉक टेस्ट बैंकिंग एग्जाम के सिलेबस, फॉर्मेट तथा प्रश्नों की शैली को अच्छी तरह समझने के बाद तैयार की जाती हैं। इसलिए इन्हें हल करने पर आप वास्तविक परीक्षा के अनुभव से अवगत हो सकते हैं। इससे नियत समय में पूरा पेपर हल करने में भी आपको मदद मिलेगी।

शॉर्टकट और ट्रिक्स

बैंकिंग एग्जाम में बैठने वाले परीक्षार्थी मैथ्स और क्वॉन्टिटेटिव एबिलिटी के प्रश्न हल करने के लिए कई तरह के शॉर्टकट तथा ट्रिक्स का इस्तेमाल करते आए हैं। ऑनलाइन कम्प्यूटराइज्ड टेस्ट में भी आप ऐसा कर सकते हैं। सच तो यह है कि ऑनलाइन टेस्ट दे चुके कई परीक्षार्थियों का कहना है कि उन्हें इस फॉर्मेट में पहले से कहीं ज्यादा शॉर्टकट और ट्रिक्स हाथ लगी हैं! आप भी इन शॉर्टकट्स और ट्रिक्स को जानें और इन्हें आजमाएं।

हिमांशी खुराना ने लगाई आसिम पर आरोपों की झड़ी

हिमांशी खुराना और आसिम रियाज के बीच जुबानी जंग चल रही है। यह विवाद बीते कुछ दिनों में ही काफी बढ़ गया है। आसिम की पोस्ट के बाद अब हिमांशी ने सोशल मीडिया के जरिए अप्रत्यक्ष रूप से उन्हें जवाब दिया है।

हिमांशी ने पोस्ट में क्या लिखा?

हिमांशी खुराना ने सोशल मीडिया के जरिए आसिम का नाम लिए बिना उनपर निशाना साधा है। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने कभी धर्मांतरण का मुद्दा नहीं उठाया। इसके साथ ही आसिम द्वारा अपने स्वास्थ को लेकर रही की गई बातों पर भी प्रतिक्रिया दी। हिमांशी ने लिखा - मैंने किसी पर जबरन धर्मांतरण का आरोप नहीं लगाया। मैंने हमेशा सार्वजनिक रूप से अपनी निजी जीवन को साझा करते समय सम्मान और सावधानी बरती है। हर चीज चाहे वह बिग बॉस का अनुभव हो, मेरी आध्यात्मिक यात्रा हो, या मेरी सेहत से जुड़े मामले हों, मैंने सम्मान बनाए रखा। मैंने अपने जीवन के इन पहलुओं को ईमानदारी से साझा किया है। कभी भी किसी का अपमान करने के लिए उपयोग नहीं किया। मैंने अपना पक्ष हमेशा मजबूती के साथ रखा है।

हेल्थ पर की गई टिप्पणी पर बोलीं

आसिम रियाज ने हिमांशी की हेल्थ से जुड़ी भी कई बातें कहीं थीं। इन पर हिमांशी ने कहा, 'जहां तक मेरे स्वास्थ्य का मज़ाक उड़ाया जाता है और मेरे संघर्षों पर सवाल किए जाते हैं, तो मुझे लगता है कि अब एक सीमा तय करने का समय आ गया है। मुझे भी सब कुछ बता देना चाहिए।'

सारे सबूत मेरे पास भी हैं

आगे हिमांशी ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'अगर हम सबूतों की बात करने जा रहे हैं, तो चलिए सब पर बात करते हैं। मेरे पास मेरे साथ हुई हिंसा से संबंधित तथ्य और सबूत हैं। उम्मीद है आपको 27.11.23 की वह सुबह याद होगी, मैं उसे भी साझा करने के लिए तैयार हूं। अगर आप मेरी छवि खराब करना चाहते हैं, तो अब मैं वह व्यक्ति नहीं हूं जो आपकी तथाकथित छवि बचाने के लिए चुपचाप सब कुछ छुपाती रहूंगी, या बार-बार अपमानित और अनादर किए जाने पर भी चुप रहूंगी।'

लोगों ने आपकी गंदगी को छुपाया

हिमांशी खुराना ने अप्रत्यक्ष रूप से आसिम रियाज पर निशाना साधा। उन्होंने आगे लिखा, 'अलग-अलग प्रोडक्शन हाउस और चैनल के लोगों ने आपकी गंदगी को छुपाया, लेकिन मैं अब उनके जैसी नहीं हूं। मैंने अपनी गरिमा बनाए रखी है और सम्मान दिखाया है, और बदले में मैं भी यही उम्मीद करती हूं। अगर उस सम्मान का प्रतिफल नहीं मिलेगा, तो मेरे पास अब चुप रहने का कोई कारण नहीं है। अगर आप 'सबूत' का खेल खेलना चाहते हैं, तो चलिए इसे ईमानदारी से खेलते हैं। तथ्यों, जवाबदेही और पूरी सच्चाई के साथ।' इससे पहले आसिम रियाज ने सोशल मीडिया पोस्ट कर हिमांशी को सभी आरोपों को खारिज किया था। उन्होंने कहा था कि उन्होंने कभी हिमांशी को धर्म बदलने के लिए मजबूर नहीं किया। इसके साथ ही उन्होंने हिमांशी की स्वास्थ्य संबंधित परेशानियों की वजह भी बताई थी।

24 साल बाद टीवी पर होस्ट बनकर लौट रहीं माधुरी दीक्षित

बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित ने अपने लंबे फिल्मी करियर में एक्टिंग और डांस से तो दर्शकों का दिल जीता ही है, अब वह एक नई जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार हैं। वह जल्द ही टीवी के लोकप्रिय क्विज शो के मराठी वर्जन 'कोण होणार करोडपती' को होस्ट करती नजर आएंगी। यह शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के लोकप्रिय फॉर्मेट पर आधारित है। खास बात यह है कि माधुरी करीब 24 साल बाद एक बार फिर टीवी होस्टिंग की दुनिया में वापसी कर रही हैं। शो को लेकर वह काफी उत्साहित हैं, और उन्होंने बताया कि उन्हें इस प्रोजेक्ट की तरफ सबसे ज्यादा कंटेस्टेंट्स की कहानियों और उनके सपनों ने आकर्षित किया। शो में शामिल होने की वजह बताते हुए माधुरी दीक्षित ने कहा, ''कोण होणार करोडपती' सिर्फ सवालों के जवाब देकर पैसे जीतने वाला शो नहीं है, बल्कि यह लोगों के आत्मविश्वास और सपने देखने की हिम्मत से भी जुड़ा है। मुझे सबसे ज्यादा उत्साह इस बात का है कि मैं कंटेस्टेंट्स की कहानियों और उनके सपनों के जरिए उनसे जुड़ पाऊंगी। लोगों की जिंदगी के बारे में जानना और उनके सपनों को समझना मुझे इस शो का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित करता है।'' माधुरी ने एक्टिंग और होस्टिंग के बीच के अंतर के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, ''एक अभिनेता को कैमरे के सामने किसी किरदार में ढलना पड़ता है, जबकि होस्ट के तौर पर वह खुद रह सकता हैं। इस शो में दर्शक मेरा स्वाभाविक अंदाज देखेंगे। मैं कंटेस्टेंट्स के सामने बैठकर उनकी जिंदगी के बारे में बात करूंगी और उनकी बातें सुनूंगी।'' 'कोण होणार करोडपती' के जरिए माधुरी करीब 24 साल बाद टीवी होस्टिंग में वापसी कर रही है। इससे पहले वह 'कहीं ना कहीं कोई है' नाम के टीवी शो को होस्ट कर चुकी हैं। हालांकि, इसके बाद उन्होंने फिल्मों और दूसरे प्रोजेक्ट्स में ज्यादा ध्यान दिया। मराठी 'केबीसी' फॉर्मेट को माधुरी से पहले सचिन खेडेकर, स्वप्निल जोशी और नागराज मंजुले जैसे कलाकार होस्ट कर चुके हैं। शो के मेकर्स ने इसी महीने 'कोण होणार करोडपती' का पहला प्रोमो भी जारी किया था। इसमें माधुरी पारंपरिक महाराष्ट्रीयन अंदाज में नजर आई थीं। उनके इस लुक ने भी दर्शकों का ध्यान खींचा। प्रोमो सामने आने के बाद से ही शो को लेकर चर्चा तेज हो गई है। माधुरी के इस नए सफर की जानकारी देते हुए मेकर्स ने बताया था कि माधुरी को 'कौन बनेगा करोड़पति' के मराठी वर्जन 'कोण होणार करोडपती' को होस्ट करने के लिए चुना गया है। उन्होंने शो के प्रोमो की शूटिंग पूरी कर ली है और इसे हिंदी 'कौन बनेगा करोड़पति' के प्रीमियर एपिसोड के साथ जोड़े जाने की तैयारी थी। हिंदी 'केबीसी' को महानायक अमिताभ बच्चन होस्ट करते हैं।

हर रोल एक नया चैलेंज लेकर आता है, 'अनुपमा' का किरदार भी कुछ ऐसा ही है

टेलीविजन अभिनेत्री समीक्षा भटनागर इन दिनों टीवी सीरियल 'अनुपमा' में श्रुति आहूजा के किरदार में नजर आ रहीं हैं। अभिनेत्री का मानना है कि वे खुशकिस्मत हैं कि उन्हें श्रुति का दिलचस्प किरदार करने और डीकेपी (डायरेक्टर्स कट प्रोडक्शन) प्रोडक्शंस में काम करने का मौका मिला। अभिनेत्री ने कहा, 'टीवी सीरियल अनुपमा पहले से बहुत लोकप्रिय शो है, जब मुझे डीकेपी (डायरेक्टर्स कट प्रोडक्शन) प्रोडक्शंस की तरफ से मुझे श्रुति आहूजा का किरदार निभाने को मिला, तो मैंने सबसे पहले उसे समझा। मुझे लगा कि इसमें दम है और यह मुझ पर सूट करता है। इसी बात ने मुझे जल्दी से रोल करने के लिए मना लिया और अब लोगों को भी यह किरदार पसंद आ रहा है।' अभिनेत्री ने आगे श्रुति आहूजा के किरदार के बारे में बताया, 'हर रोल एक नया चैलेंज लेकर आता है और श्रुति आहूजा का किरदार भी कुछ ऐसा ही था। वह एक मां है, जिन्हें अपनी बेटी के लिए खुद को जस्टिफाई करना पड़ता है। वह अपनी बेटी से प्यार करती हैं, लेकिन वह एक नेगेटिव कैरेक्टर नहीं हैं और मैं नहीं चाहती थी कि लोग उन्हें उस तरह से देखें।'

उन्होंने आगे कहा, 'मेरा मानना है कि स्क्रीन पर उस कैरेक्टर को जस्टिफाई करना एक एक्टर की जिम्मेदारी है।' अभिनेत्री ने आगे बताया कि जब भी उन्हें कोई रोल ऑफर होता है, तो वह पहले अपने किरदार के बारे में सोचती हैं कि उसमें क्या नयापन लाया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'जब भी मुझे कोई रोल ऑफर होता है, तो मेरे लिए यह समझना बहुत जरूरी होता है कि मैं उस किरदार में क्या ला सकती हूं। एक एक्टर के तौर पर, मैं उसमें क्या योगदान दे सकती हूं? उसके बाद, कैरेक्टर के बारे में मेरी समझ बहुत जरूरी हो जाती है। मेरे लिए स्क्रीन पर रोल के साथ जस्टिस करना और यह पक्का करना भी उतना ही जरूरी है कि लोग उससे कनेक्ट करें।'

सलमान खान 'मॉन्स्टर' के लिए खुद करेंगे जोखिम भरे स्टंट्स

सलमान खान और नयनतारा की एक्शन फिल्म का नाम 'मॉन्स्टर' तय माना जा रहा है। अभी तक फिल्म को अस्थायी तौर पर 'SVC 63' के नाम से जाना जा रहा था। हालांकि, मेकर्स की ओर से अभी तक टाइटल की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। सलमान की इस फिल्म को को बड़े स्केल पर तैयार किया जा रहा है। इसमें बड़े पैमाने पर एक्शन सीक्वेंस और काफी हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिलेगा। इसी बीच सेट से खबर आई है कि सलमान के बॉडी डबल को अचानक हार्ट अटैक आ गया। इसके बावजूद शूटिंग की रफ्तार न थमे, इसलिए उन्होंने खुद ही जोखिम भरे स्टंट्स करने का फैसला लिया है। सलमान शूटिंग को लेकर बेहद गंभीर हैं और नहीं चाहते कि किसी भी वजह से काम अटक। हालांकि, सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए टीम में नए स्टंट एक्सपर्ट्स को भी शामिल किया जा रहा है।

हेली शाह ने खुद में खोजा कॉमेडी का एक नया पहलू

टेलीविजन और ओटीटी पर अपने दमदार अभिनय के लिए पहचानी जाने वाली अभिनेत्री हेली शाह अपनी आगामी वेब सीरीज 'चुंबक' के साथ पहली बार कॉमेडी करती नजर आनेवाली हैं। हालांकि इस संदर्भ में हेली का मानना है कि इस नए जॉनर को एक्सप्लोर करना उनके लिए उत्साह के साथ-साथ घबराहट से भरा अनुभव भी था, लेकिन शो के राइटर-डाइरेक्टर आतिश कपाड़िया के विश्वास और भरोसे ने उन्हें इस चुनौती को स्वीकार करने और अपने अभिनय के एक ऐसे पहलू को खोजने में मदद की, जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं आजमाया था। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए हेली ने कहा, 'यह पहला मौका है जब मैं कॉमेडी कर रही हूं। मैंने पहले कभी कॉमेडी नहीं की। और मैं सच कहूँ तो मैं बहुत नर्वस थी, मुझे बिल्कुल यकीन नहीं था कि मैं इसे कर पाऊंगी। सच कहूँ, तो अब मुझे लगता है कि यह अतिश सर का मुझ पर भरोसा और विश्वास ही था कि मैं यह कर पाई। मैं बहुत खुश हूं कि उन्होंने मेरे अंदर वह चमक देखी, क्योंकि मैं सच में सेट पर खुद को पूरी तरह सरेंडर करके गई थी। मुझे नहीं पता था कि यह कैसा होगा और मैं क्या करूंगी।'

गौरतलब है कि हेली के लिए यह अनुभव सिर्फ एक नए जॉनर को आजमाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उनके लिए अपने अभिनय के एक अनदेखे पहलू को खोजने का मौका भी बन चुका है, जिसमेंआतिश कपाड़िया ने उनकी मदद की। इस सिलिसले में हेली कहती हैं 'उन्होंने एक अभिनेत्री के तौर पर मुझे अपने एक ऐसे हिस्से को एक्सप्लोर करने में मदद की, जिसके बारे में मुझे पता ही नहीं था। मुझे सच में नहीं पता था कि मैं कॉमेडी भी कर सकती हूं। और इसके लिए मैं सर की बहुत आभारी हूँ।'

क्या साथ नजर आएंगे करीना और धनुष?

संजय लीला भंसाली एक पौराणिक जंगल एडवेंचर फिल्म बना रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें करीना कपूर खान नजर आएंगी। उनके अलावा साउथ एक्टर धनुष भी लीड रोल में होंगे। फिल्म के निर्देशन की कमान पीएस मित्रन संभालेंगे। हाल ही में मिथ्रन ने फिल्म को लेकर अपडेट शेयर किया है। निर्देशक पीएस मित्रन ने बताया कि संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शन में बनने वाली एक फिल्म के लिए करीना कपूर खान और धनुष के साथ बातचीत चल रही है। पीएस मित्रन इन दिनों 'सरदार 2' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस दौरान 'सिनेमा विकटन' से बात करते हुए मित्रन ने कहा, 'करीना और धनुष से बातचीत चल रही है, हम कन्फर्मेशन के लिए तारीखें देख रहे हैं। उम्मीद है कि इससे कुछ अच्छा नतीजा निकलेगा'। मित्रन के इस अपडेट के बाद भंसाली के प्रोडक्शन में बनने वाली फिल्म के लिए करीना और धनुष के साथ आने की खबरों ने जोर पकड़ लिया है।

इसी साल शूटिंग शुरू होने की उम्मीद

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाए जाने की तैयारी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह प्रोजेक्ट अभी लिखने के स्टेज पर है और फाइनल होने से पहले इसकी स्क्रिप्ट को कई बार फिर से लिखा गया है। उसी रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि नवंबर 2026 में प्री-प्रोडक्शन शुरू होने की उम्मीद है। वहीं, जनवरी 2027 में मुख्य शूटिंग की योजना है। अगर यह प्रोजेक्ट आगे बढ़ता है, तो यह हिंदी सिनेमा में मित्रन के निर्देशन में बनने वाली पहली फिल्म होगी। इसी के साथ इस फिल्म में धनुष और करीना कपूर खान पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। वहीं, 2000 के दशक की शुरुआत में मनमुटाव के बाद संजय लीला भंसाली के साथ करीना इस फिल्म में पहली बार काम करेंगी।

स्वामी, प्रकाशक, एवं मुद्रक, संपादक. तरूण कुमार ने आदित्य ग्राफिक्स आईएनसी, प्रताप भवन 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, दिल्ली से छपवाकर कर पाकिट. ई-4, प्लाट नं. 4, सैक्टर- 16, रोहिणी, दिल्ली-110089 से प्रकाशित किया। सम्पादक: तरूण कुमार समाचार पत्र में सम्पादकीय के अतिरिक्त किसी भी प्रकार की प्रकाशित सामग्री से सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नही है। किसी भी प्रकार के वाद-विवाद का निपटारा केवल दिल्ली न्यायालय में ही मान्य होगा।, फोन नं. 9811926013,